हिन्दी दैनिक

पथ प्रवाह

RNI No.: UTTHIN/2011/39282

हर खबर पर पैनी नजर

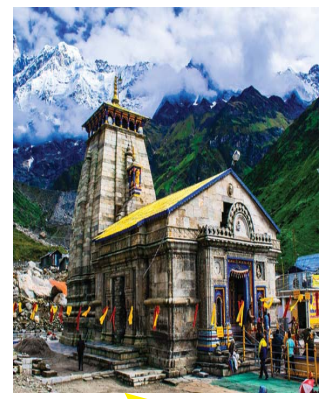

वर्षः5 अंकः21 पृष्ठः08 मुल्यः1 रूपये pathpravah.com हरिद्वार, रविवार, 25 जनवरी 2026

भ्रष्टाचार पर मुख्यमंत्री पुष्कर धामी का बड़ा वार, वर्दी घोटाले में निदेशक होमगार्ड निलंबित

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

उत्तराखंड में भ्रष्टाचार के खिलाफ मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने एक बार फिर सख्त रुख अपनाते हुए बड़ा प्रशासनिक कदम उठाया है। होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा विभाग में वर्दी सामग्री की खरीद से जुड़े बहुचर्चित घोटाले में संलिप्त पाए जाने पर मुख्यमंत्री ने निदेशक होमगार्ड (डिप्टी कमांडेंट) अमिताभ श्रीवास्तव को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। इसके साथ ही पूरे प्रकरण की निष्पक्ष और गहन जांच के लिए संयुक्त जांच समिति गठित करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

यह मामला वित्तीय वर्ष 2024-25 एवं 2025-26 के दौरान होमगार्ड्स के लिए वर्दी सामग्री की खरीद प्रक्रिया से जुड़ा हुआ है। इस दौरान टेंडर प्रक्रिया में वित्तीय अनियमितताओं, पारदर्शिता के अभाव और नियमों के उल्लंघन के गंभीर आरोप सामने आए थे। मामले की गंभीरता को देखते हुए महानिदेशक, होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा, देहरादून द्वारा शासन को एक विस्तृत रिपोर्ट भेजी गई, जिसमें टेंडर प्रक्रिया में कई स्तरों पर खामियों और अनियमितताओं का उल्लेख किया गया।

महानिदेशक की संस्तुति पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने त्वरित कार्रवाई करते हुए डिप्टी कमांडेंट को निलंबित करने के आदेश जारी किए तथा पूरे प्रकरण की जांच के लिए संयुक्त जांच समिति गठित करने के निर्देश दिए। इस समिति द्वारा मामले की प्रत्येक कड़ी की जांच कर दोषियों की पहचान की जाएगी।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि राज्य सरकार भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति पर पूरी दृढ़ता के साथ काम कर रही है। उन्होंने कहा कि किसी भी स्तर पर अनियमितता, भ्रष्ट आचरण या सरकारी धन के दुरुपयोग को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने दो टूक कहा कि जांच में जो भी अधिकारी या कर्मचारी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

इस कार्रवाई से न केवल प्रशासनिक महकमे में स्पष्ट संदेश गया है, बल्कि यह भी संकेत मिला है कि उत्तराखंड सरकार भ्रष्टाचार के खिलाफ निर्णायक कदम उठाने में कोई कोताही नहीं करेगी।

गणतंत्र दिवस को लेकर हरिद्वार में हाई अलर्ट, सड़कों पर मुस्तैद दिखी पुलिस

पथ प्रवाह, हरिद्वार

गणतंत्र दिवस पर्व को शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित ढंग से संपन्न कराने के लिए हरिद्वार जनपद में सुरक्षा व्यवस्था अलर्ट कर दी गई है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेंद्र डोबाल के निर्देशों पर जनपद पुलिस पूरी मुस्तैदी के साथ सड़कों पर तैनात नजर आ रही है। प्रमुख मार्गों, चौराहों एवं संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस बल द्वारा लगातार गश्त की जा रही है, वहीं वाहनों की सघन चेकिंग भी की जा रही है। पहाड़ों पर हुई बर्फबारी का असर हरिद्वार के मौसम में भी देखने को मिल रहा है। कड़ाके की ठंड के बावजूद पुलिसकर्मी पूरी निष्ठा के साथ अपने ड्यूटी प्वाइंट पर तैनात हैं। ठंड से बचाव के लिए कई स्थानों पर पुलिसकर्मी आग जलाकर गर्मी लेते हुए सतर्कता बनाए हुए हैं। जगजीतपुर चौकी प्रभारी सुधांशु कौशिक भी अपनी टीम के साथ क्षेत्र में अलर्ट मोड पर ड्यूटी निभा रहे हैं। पुलिस प्रशासन ने आमजन से सहयोग की अपील करते हुए किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को देने का अनुरोध किया है।

27 जनवरी को राज्यभर में मनाया जाएगा 'यूसीसी दिवस': मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी

पथ प्रवाह, नैनीताल।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि राज्य सरकार ने वर्ष 2022 के विधानसभा चुनावों में प्रदेश की जनता से समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने का जो वादा किया था, उसे अपने संकल्प के अनुरूप पूरा किया गया है। उन्होंने कहा कि यह निर्णय राज्य सरकार की जनप्रतिबद्धता और संवैधानिक मूल्यों के प्रति सम्मान को दर्शाता है।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि देवभूमि उत्तराखंड गंगा, यमुना, आदि कैलाश, केदारनाथ और बद्रीनाथ जैसी पवित्र स्थलों की भूमि है और इसी पुण्य भूमि से समानता, न्याय और सामाजिक समरसता का संदेश पूरे देश को दिया गया है। संविधान के अनुच्छेद 44 की भावना के अनुरूप यूसीसी लागू कर उत्तराखंड देश का पहला राज्य बना है।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने बताया कि 27 जनवरी को राज्य में यूसीसी लागू होने के एक वर्ष पूर्ण हो रहे हैं, जिसे राज्यभर में 'यूसीसी दिवस' के रूप में मनाया जाएगा। इस अवसर पर प्रदेश के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता कार्यक्रम, जनसंवाद और विविध आयोजन किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि यूसीसी महिला सशक्तिकरण, सामाजिक समानता और नागरिक सुरक्षा की दिशा में एक दूरगामी और ऐतिहासिक कदम सिद्ध हुआ है।

वन्य मानव संघर्ष पर पूछे गए प्रश्न के उत्तर में मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार इस विषय को अत्यंत गंभीरता से लेते हुए दीर्घकालिक समाधान की दिशा में ठोस कदम उठा रही है। वन्य जीव प्रबंधन, निगरानी, त्वरित राहत एवं मुआवजा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ किया जा रहा है।

यातायात सुधार को लेकर मुख्यमंत्री ने कहा कि मानसखंड क्षेत्र में बाईपास, वैकल्पिक मार्ग, सड़क चौड़ीकरण और पार्किंग योजनाओं पर तेजी से कार्य किया जा रहा है। वहीं, चारधाम यात्रा 2026 को सुरक्षित, सुव्यवस्थित और श्रद्धालु-अनुकूल बनाने के लिए सभी विभागों के साथ समन्वय कर व्यापक तैयारियां की जा रही हैं।

मतदाता दिवस पर मुख्य चुनाव आयुक्त का संदेश

मतदान राष्ट्र सेवा, युवा मतदाता 'लोकतंत्र के राजदूत बनें'

नयी दिल्ली। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने मतदान को राष्ट्र सेवा बताते हुए देश के सभी मतदाताओं, खास कर युवा मतदाताओं को 'लोकतंत्र के राजदूत' की भूमिका निभाने और साथी मतदाताओं को मतदान में भाग लेने के लिए प्रेरित करने की अपील की है। कुमार ने 16वें 'राष्ट्रीय मतदाता दिवस' की पूर्व संध्या पर शनिवार को देशवासियों के नाम संदेश में कहा कि आनेवाले समय में चुनाव आयोग युवाओं के लिए एक समर्पित, युवा-केंद्रित अभियान की शुरुआत करेगा, जो उन्हें निर्वाचन प्रक्रिया की स्पष्ट समझ देगा और आयोग की पहलों से सीधे जोड़ेगा। उन्होंने युवाओं से भ्रामक सूचनाओं, दुष्प्रचार और मनगढ़त बातों का मुकाबला करने में नेतृत्वकारी भूमिका निभाने का भी आह्वान किया है।

उन्होंने कहा, ' मैं देश के सभी मतदाताओं, विशेषकर युवा मतदाताओं की भूमिका पर बल देना चाहता हूँ कि वे निश्चित रूप से मतदान करें, स्वयं लोकतंत्र के राजदूत बनें, और दूसरों को भी मतदान के लिए प्रेरित करें। मैं अपने युवा मतदाताओं से आह्वान करता हूँ कि वे भ्रामक सूचनाओं, दुष्प्रचार और झूठे नैरेटिव के विरुद्ध नेतृत्व करें। मुख्य चुनाव आयुक्त ने देश के युवाओं से चुनावी प्रक्रियाओं तथा निर्वाचन आयोग की विभिन्न पहलों के प्रति पूरी तरह जागरूक रहने तथा अपने परिवार, मित्र और समाज के बीच सही जानकारी को सक्रिय रूप से पहुँचाने की अपील की। उन्होंने कहा कि देश विभिन्न जगहों पर बनाये गये मतदाता साक्षरता क्लब युवाओं में लोकतांत्रिक चेतना को सशक्त कर रहे हैं।

गणतंत्र दिवस पर सूचना विभाग की झांकी बनेगी आकर्षण का केंद्र

पथ प्रवाह, देहरादून।

गणतंत्र दिवस के अवसर पर परेड ग्राउंड देहरादून में आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय समारोह में सूचना विभाग द्वारा 'रजत जयंती एवं शीतकालीन धार्मिक यात्रा व पर्यटन' विषयक भव्य एवं आकर्षक झांकी का प्रदर्शन किया जाएगा। इस झांकी के माध्यम से उत्तराखंड की पच्चीस वर्षों की गौरवशाली विकास यात्रा के साथ-साथ राज्य में तीर्थाटन और पर्यटन विकास से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं की प्रभावशाली प्रस्तुति की जाएगी। वर्तमान में परेड ग्राउंड में झांकी का निर्माण कार्य तेजी से प्रगति पर है। सूचना विभाग के महानिदेशक बंशीधर तिवारी ने बताया कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के विजन के अनुरूप झांकी को विभाग के संयुक्त निदेशक एवं नोडल अधिकारी के.एस. चौहान के निर्देशन में तैयार किया जा रहा है। झांकी का उद्देश्य राज्य की उपलब्धियों, सांस्कृतिक विरासत और विकासशील छवि को जन-जन तक पहुंचाना है। झांकी के प्रथम भाग में मुखवा स्थित गंगा मंदिर को दर्शाया गया है, जो मां गंगा का शीतकालीन प्रवास स्थल है। अग्रिम केबिन में उत्तराखंड गठन के 25 गौरवशाली वर्षों को प्रदर्शित किया गया है, जिसमें राज्य की विकास यात्रा, सांस्कृतिक पहचान और निरंतर प्रगति की झलक देखने को मिलेगी।

झांकी के ट्रेलर भाग में उत्तराखंड को आयुर्वेद के अग्रणी राज्य के रूप में प्रस्तुत किया गया है, जहां औषधीय पौधों और जड़ी-बूटियों पर आधारित प्राचीन चिकित्सा पद्धति को दर्शाया गया है। इसके बाद होम स्टे योजना की प्रस्तुति के माध्यम से यह दिखाया गया है कि किस प्रकार पर्यटन के साथ-साथ स्थानीय रोजगार और सतत विकास को बढ़ावा मिल रहा है। इसके पश्चात खरसाली स्थित यमुना मंदिर को दर्शाया गया है, जो मां यमुना का शीतकालीन धाम है। झांकी के अंतिम भाग में उठते हुए स्तंभों के माध्यम से राज्य की वर्ष-दर-वर्ष प्रगति को प्रतीकात्मक रूप में दर्शाया गया है। झांकी के पार्श्व भाग में राज्य में लागू नए कानूनों को प्रदर्शित किया गया है, जबकि पृष्ठभूमि में की गई ऐंपण कला उत्तराखंड की समृद्ध लोक परंपरा को आधुनिक स्वरूप में प्रस्तुत करती है।

सूचना विभाग की यह झांकी राज्य स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह का प्रमुख आकर्षण होगी। उल्लेखनीय है कि परेड ग्राउंड देहरादून में सूचना विभाग द्वारा विगत पंद्रह वर्षों से झांकी का प्रदर्शन किया जा रहा है तथा वर्ष 2024 और 2025 में विभाग की झांकी को प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

ग्रामीण भारत को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भाजपा का संकल्प: त्रिवेंद्र सिंह रावत

पथ प्रवाह, पिरान कलियर।

हरिद्वार जनपद की विधानसभा पिरान कलियर अंतर्गत ग्राम बेल्डा में विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) के तहत एक भव्य किसान चौपाल सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार, स्वरोजगार और आजीविका से जुड़े मुद्दों पर संवाद स्थापित कर जमीनी स्तर की समस्याओं का समाधान तलाशना रहा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री एवं हरिद्वार सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ग्रामीण भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार का संकल्प है कि प्रत्येक गांव तक रोजगार के अवसर, स्वरोजगार की योजनाएं और विकास

की सुविधाएं पहुंचें। किसान, युवा और महिला सशक्तिकरण को उन्होंने विकसित भारत की मजबूत नींव बताते हुए कहा कि जब गांव सशक्त होंगे तभी देश समृद्ध बनेगा। सांसद श्री रावत ने कहा कि केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएं अब केवल कागजों तक सीमित नहीं रह गई हैं, बल्कि अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक उनका वास्तविक लाभ पहुंच रहा है। प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, किसान सम्मान निधि, स्वयं सहायता समूहों को प्रोत्साहन जैसी योजनाओं से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिली है।

इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता मुनीश सैनी ने कहा कि भाजपा की नीतियों का केंद्र बिंदु गांव, गरीब और किसान हैं। उन्होंने कहा कि विकसित भारत-गारंटी मिशन ग्रामीण युवाओं को हुनर, प्रशिक्षण और रोजगार से जोड़ने का प्रभावी माध्यम बन रहा है, जिससे पलायन पर भी रोक लगेगी और स्थानीय स्तर पर आजीविका के साधन विकसित होंगे। कार्यक्रम में जिला भाजपा अध्यक्ष डॉ. मधू सिंह, जिला महामंत्रीगण, विभिन्न मोर्चों के अध्यक्ष, तीनों मंडलों के मंडल अध्यक्ष सहित बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे। किसान चौपाल के दौरान ग्रामीणों ने खुलकर अपनी समस्याएं, सुझाव और अपेक्षाएं रखीं, जिन्हें गंभीरता से सुनते हुए जनप्रतिनिधियों ने शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया।

यह कार्यक्रम ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों के बीच संवाद का सशक्त मंच साबित हुआ, जिसने आत्मनिर्भर ग्रामीण भारत की दिशा में भाजपा के संकल्प को और मजबूत किया।

एक नजर

हिस्ट्रीशीटर का तमंचा लहराते हुए वीडियो हुआ वायरल

पथ प्रवाह, हरिद्वार। भगवानपुर थाना क्षेत्र के हिस्ट्रीशीटर राशिद सुल्तान का तमंचा लहराते हुए नया वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो का पुलिस ने संज्ञान लेकर जांच शुरू कर दी है। वायरल वीडियो में यह पता नहीं चल रहा है कि वीडियो नया है कोई पुराना। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में वीडियो कॉल के दौरान पिस्टल दिखाने की डिमांड पर बगल में बैठे युवक ने कैमरे के सामने देसी तमंचा लहरा कर दिखाया। जिसके बाद कॉल करने वाला युवक हथियार देखकर बोला 'अब मुझे तसल्ली हो गई'। इस वायरल वीडियो से अपराधियों के बेखौफ हौसले उजागर हो रहे हैं। बताया जा रहा है कि राशिद सुल्तान पर जिले के कई थानों में गंभीर आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। वह पहले भी जेल जा चुका है। वीडियो वायरल होते ही पुलिस विभाग हरकत में आ गया है। भगवानपुर पुलिस ने वायरल वीडियो का संज्ञान लेकर कार्रवाई की तैयारी शुरू कर दी है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही पूरे मामले की जांच कर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

सिद्धेश्वर महादेव मंदिर के सामने आधी–अधूरी सड़क बनी श्रद्धालुओं की परेशानी का सबब

पथ प्रवाह, हरिद्वार। जगजीतपुर क्षेत्र की द्वारिका विहार कॉलोनी फेस-3 में स्थित हिन्दुओं की आस्था के प्रतीक श्री सिद्धेश्वर महादेव मंदिर के सामने सीवर लाइन से जुड़े ठेकेदारों द्वारा किया गया सड़क निर्माण अब स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं के लिए परेशानी का सबब बन गया है। सड़क निर्माण कार्य को सतही तौर पर पूरा कर दिया गया, लेकिन साइड की मरम्मत नहीं होने से जलभराव की समस्या पैदा होने से आवागमन बाधित हो रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पूर्व में शिकायत मिलने पर विभाग की एक अधिकारी मौके पर निरीक्षण के लिए पहुंची थीं और उन्होंने संबंधित कार्यदायी संस्था को तत्काल रास्ते की मरम्मत कराने के निर्देश दिए थे। बावजूद इसके, आदेशों की अनदेखी करते हुए अब तक कोई सुधार कार्य नहीं किया गया है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि छोटे-छोटे बच्चों, बुजुर्गों और मंदिर में दर्शन के लिए आने वाले भक्तों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। लोगों ने प्रशासन से सनातन धर्म की मर्यादा को ध्यान में रखते हुए शीघ्र सख्त निर्देश जारी कर मरम्मत कराने की मांग की है।

बर्थडे पार्टी में कहासुनी बनी बवाल, सिंहद्वार पर तोड़फोड़, 8 युवकों के चालान

पथ प्रवाह, हरिद्वार। कनखल थाना क्षेत्र में बर्थडे पार्टी के दौरान हुई आपसी कहासुनी ने शुक्रवार को हिंसक रूप ले लिया। दिनांक 22 जनवरी 2026 को एक बर्थडे पार्टी में हुए विवाद को लेकर शनिवार देर शाम को दोनों पक्ष सिंहद्वार क्षेत्र में आमने-सामने आ गए और मारपीट व गाली-गलौज करते हुए एक-दूसरे को जान से मारने की धमकियां देने लगे। इस दौरान आरोपियों ने वाहनों में तोड़फोड़ कर शांति व्यवस्था भंग कर दी।

पुलिस द्वारा पकड़े गए आरोपियों में निदान शाह पुत्र विक्रम शाह निवासी दादू बाग कनखल, हर्ष शर्मा पुत्र शम्मी शर्मा निवासी सतीघाट पटियाला हाउस कनखल, चैतन्य शर्मा पुत्र कृष्ण मुरारी शर्मा निवासी ज्ञानलोक कॉलोनी कनखल, कृष्णागिरी पुत्र ओंकार गिरी निवासी लोटो वाली कनखल, करण चौधरी पुत्र लहरी सिंह निवासी कनखल, शिवम भल्ला पुत्र संजीव भल्ला निवासी कनखल, विकास मिश्रा पुत्र मनीष मिश्रा निवासी हनुमंतपुरम कनखल तथा आर्यन पुत्र संजीव भल्ला निवासी विष्णु गार्डन थाना कनखल जनपद हरिद्वार शामिल हैं। कनखल थाना प्रभारी मनोहर रावत ने बताया कि सार्वजनिक स्थान पर शांति भंग करने व वाहनों में तोड़फोड़ करने के आरोप में सभी आरोपियों के चालान कर दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान की आचार्यश्री से आत्मीय भेंट

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

श्रीपंचदशनाम जूना अखाड़ा की आचार्यपीठ हरिहर आश्रम, कनखल के पावन सारस्वत परिसर में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने जूनापीठाधीश्वर, आचार्यमहामण्डलेश्वर स्वामी अवधेशानन्द गिरि से सहज शिष्टाचार-भेंट एवं आत्मीय संवाद किया। यह भेंट आध्यात्मिक चेतना, सामाजिक सरोकारों और राष्ट्रहित से जुड़े विषयों के समन्वय का प्रेरक उदाहरण बनी। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आश्रम परिसर में स्थापित एकात्म-दर्शन के प्रणेता, भाष्यकार भगवान भगवत्पाद आद्य जगद्गुरु शंकराचार्य की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धा निवेदित की।

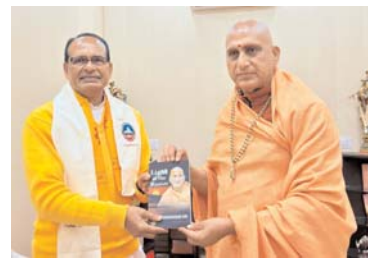

इसके पश्चात उन्होंने 'पारिजात' वृक्ष का पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उल्लेखनीय है कि शिवराज सिंह चौहान द्वारा प्रतिदिन वृक्षारोपण का संकल्प लिया गया है, जिसे वे नियमित रूप से निभाते आ रहे हैं। आचार्यश्री जी के सान्निध्य में धर्म, संस्कृति, सामाजिक समरसता, कृषक कल्याण, ग्रामीण विकास तथा राष्ट्र निर्माण से जुड़े विषयों पर सारगर्भित और मार्गदर्शक विचार-विमर्श हुआ। संवाद के दौरान आध्यात्मिक मूल्यों के साथ लोक-कल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर भी चर्चा की गई। यह भेंट आध्यात्मिक परंपरा और जनकल्याणकारी दृष्टिकोण के सशक्त संगम के रूप में देखी गई, जिसमें समाज और राष्ट्र के समग्र विकास के लिए संत एवं शासन के संवाद की महत्ता स्पष्ट रूप से सामने आई। इस पावन अवसर पर 'द केरल स्टोरी' फिल्म की अभिनेत्री अदा शर्मा की गरिमामयी उपस्थिति भी रही, जो अपने सृजनात्मक कार्यों के माध्यम से राष्ट्र-जागरण से जुड़े प्रयासों में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं।

राष्ट्रीय बालिका दिवस पर विधिक साक्षरता शिविर आयोजित

छात्राओं को कानूनी अधिकारों की जानकारी

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, हरिद्वार की ओर से महिला महाविद्यालय डिग्री कॉलेज, कनखल में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य छात्राओं को उनके विधिक अधिकारों, सुरक्षा कानूनों एवं सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध जागरूक करना रहा। शनिवार को आयोजित इस शिविर का आयोजन प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं जनपद न्यायाधीश नरेंद्र दत्त के आदेशानुसार किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सिविल जज (वरिष्ठ वर्ग) एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव सिमरनजीत कौर उपस्थित रहीं। उन्होंने छात्राओं को पोक्सो एक्ट, बाल विवाह निषेध अधिनियम, महिलाओं से संबंधित अपराधों, प्रतिकार योजना एवं साइबर अपराध जैसे गंभीर विषयों पर विस्तार से जानकारी दी। इस दौरान उन्होंने 'दहेज को कहें न' अभियान का शुभारंभ करते हुए समाज में दहेज प्रथा के दुष्परिणामों पर भी प्रकाश डाला। कार्यक्रम के

अंतर्गत कॉलेज की छात्राओं द्वारा पोस्टर प्रतियोगिता एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें बालिकाओं के अधिकारों और उनके सशक्तिकरण से जुड़े विषयों को रचनात्मक ढंग से प्रस्तुत किया गया। छात्राओं की कला कृतियों ने उपस्थित जनसमूह का ध्यान आकर्षित किया। शिविर में प्राधिकरण के विधि प्रशिक्षु दिव्य अग्रवाल, खुशी शर्मा, मानसी गोयल एवं कंचन शर्मा ने बाल विवाह निषेध अधिनियम, महिलाओं से संबंधित अपराध, भ्रूण हत्या एवं दहेज निषेध अधिनियम पर कविता के माध्यम से प्रभावी जानकारी दी। वहीं अधिवक्ता रमन कुमार सैनी ने राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाने के उद्देश्य, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा प्रदान की जा रही निःशुल्क विधिक सहायता एवं नालसा के टोल फ्री नंबर 15100 की जानकारी दी। कार्यक्रम के समापन पर पोस्टर एवं भाषण प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं सहित सभी प्रतिभागियों को मुख्य अतिथि द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कॉलेज प्रबंध समिति की सचिव वीणा शास्त्री, प्राचार्य डॉ. गीता जोशी, प्रोफेसर प्रेरणा सहित महाविद्यालय का समस्त स्टाफ एवं छात्राएं उपस्थित रहीं।

रुड़की में पिता-पुत्र पर फावड़े से जानलेवा हमला, वीडियो हुआ वायरल

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

रुड़की से एक रूह कंपा देने वाली घटना सामने आयी है। यहां झबरेड़ा थाना क्षेत्र के लाठरदेवा शेख गांव में पुरानी रंजिश के चलते दबंगों ने बेखौफ होकर पिता और उसके बेटे पर लाठी-डंडों और फावड़े से हमला किया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। पुलिस मामला संज्ञान में आने पर जांच में जुट गई है।

जानकारी के मुताबिक मामला पुरानी रंजिश से जुड़ा बताया जा रहा है। वायरल हो रहे वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि किस तरह दबंगों ने जावेद उर्फ भोला और उनके बेटे जुनैद को घेरकर उन पर एक के बाद एक कई वार किए। हमला इतना भीषण था कि दोनों लहूलुहान होकर जमीन पर गिर पड़े। चीख-पुकार सुनकर मौके पर पहुंचे स्थानीय लोगों ने किसी तरह हमलावरों से पिता

और पुत्र को बचाया। आनन-फानन में गंभीर रूप से घायल पिता-पुत्र को रुड़की के सिविल अस्पताल पहुँचाया गया। जहाँ डॉक्टरों ने दोनों की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया है। फिलहाल दोनों की हालत नाजुक बनी हुई है। घटना की सूचना मिलते ही झबरेड़ा पुलिस हरकत में आ गई है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो के आधार पर आरोपियों की शिनाख्त की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपियों को चिन्हित कर गिरफ्तार किया जाएगा।

विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में एचईसी की छात्राओं को राज्यपाल के हाथों मिला गोल्ड मैडल

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

एचईसी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स, हरिद्वार की मेधावी छात्राओं को श्रीदेव सुमन उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय, टिहरी के षष्ठम दीक्षांत समारोह में प्रदेश में उत्कृष्ट प्रदर्शन पर गोल्ड मैडल प्राप्त किया। संस्थान की बीएससी (माईक्रोबायोलॉजी) की छात्रा श्रुति शर्मा, बीएससी (ऑनर्स) बायोटैक्नोलॉजी की छात्रा सुरभि, एमएससी (कम्प्यूटर साईंस) की छात्रा चारू मिश्रा, बीए की छात्रा सृष्टि राय ने अपने पाठ्यक्रमों में टॉप करते हुए यह सम्मान हासिल किया।

विश्वविद्यालय के ऋषिकेश कैम्पस में आयोजित छठे दीक्षांत समारोह में महामहीम राज्यपाल, उच्च शिक्षा मंत्री एवं विश्वविद्यालय के कुलपति के द्वारा छात्राओं को उपाधि व गोल्ड मैडल देकर सम्मानित किया गया। दीक्षांत समारोह में विश्वविद्यालय के निमंत्रण पर कॉलेज के चेयरमैन संदीप चौधरी उपस्थित रहे। उन्होंने गोल्ड मैडलिस्ट छात्राओं व अविभावकों को अपनी शुभकॉमनाएं देते हुए कहा कि छात्राओं ने हरिद्वार शहर व प्रदेश का नाम रोशन किया है। यह पल एचईसी कॉलेज के लिये गौरवपूर्ण है, यह उपलब्धि एचईसी कॉलेज की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रणाली, समर्पित संकाय एवं सदृढ एकेडमिक वातावरण का सशक्त प्रमाण है। संस्थान की प्राचार्या डा. तृप्ति अग्रवाल ने छात्राओं को अपनी शुभकॉमनाएं देते हुए कहा कि एचईसी संस्थान उत्कृष्ट शिक्षा देने के लिए प्रतिबद्ध है। षष्ठम दीक्षांत समारोह एचईसी कॉलेज के लिये एक ऐतिहासिक, प्रेरणादायी एवं गौरवपूर्ण उपलब्धि का प्रतीक रहा। समारोह में सम्मानित छात्राओं के साथ शिक्षिका डा. दीपिका संगतानी उपस्थित रहीं।

एक नजर

नशे के सौदागरों पर हरिद्वार पुलिस का प्रहार, एक नशा तस्कर गिरफ्तार

पथ प्रवाह, हरिद्वार। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, जनपद हरिद्वार द्वारा जनपद में मादक पदार्थों (स्मैक, चरस, गांजा आदि) की तस्करी में संलिप्त अपराधियों की धरपकड़ कर उनके विरुद्ध सख्त वैधानिक कार्रवाई किए जाने हेतु निर्देशित किया गया है। इसी क्रम में थाना श्यामपुर पुलिस ने बीती 23 जनवरी को चेकिंग के दौरान धुव चैरिटेबल अस्पताल से श्यामपुर जाने वाले मार्ग पर एक संदिग्ध व्यक्ति को रोककर चेक किया। चेकिंग के दौरान संदिग्ध व्यक्ति दिनेश कुमार गुप्ता पुत्र वीरेंद्र गुप्ता, निवासी ग्राम सर्वोदय नगर, थाना सी.बी.गंज, जिला बरेली (उ0प्र0) को 11.00 ग्राम अवैध स्मैक के साथ हिरासत में लिया गया। आरोपी के कब्जे से एक मोटरसाइकिल पैशन प्रो (ब्लैक रंग) भी बरामद की गई। थाना श्यामपुर पर मु0अ0सं0 14/2026 एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत कर अग्रिम विधिक कार्यवाही अमल में लायी जा रही है।

हरिद्वार पुलिस ने दिखायी राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर संविधान के प्रति आस्था

पथ प्रवाह, हरिद्वार। हरिद्वार पुलिस ने राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर संविधान के प्रति अपनी गहरी आस्था को उजागर करते हुए मताधिकार के प्रयोग की शपथ ली। हरिद्वार पुलिस के सभी जवानों और अधिकारियों ने यह शपथ ली। पुलिस लाइन में आयोजित कार्यक्रम में एसपी/क्षेत्राधिकारी ज्वालापुर द्वारा सभी पुलिस कर्मियों को मताधिकार प्रयोग की शपथ दिलायी गई। जनपद के सभी थाना, कार्यालयों और शाखाओं में भी शपथ कार्यक्रम आयोजित किया गया। थाना प्रभारियों ने अपने थाना और कोतवाली में तैनात पुलिस कर्मियों को मताधिकार प्रयोग की शपथ दिलायी। राष्ट्रीय मताधिकार दिवस के अवसर पर एसपी/क्षेत्राधिकारी ज्वालापुर द्वारा पुलिस लाइन रोशनाबाद हरिद्वार में जवानों को जाति/धर्म आदि प्रलोभनों से दूर रहकर मताधिकार का प्रयोग करने की शपथ दिलाई गई। शपथ कार्यक्रम जनपद के सभी थाना, कार्यालयों और शाखाओं में भी आयोजित किया गया।

बर्थडे पार्टी में कहासुनी बनी बवाल, सिंहद्वार पर तोड़फोड़, 8 युवकों के चालान

पथ प्रवाह, हरिद्वार। कनखल थाना क्षेत्र में बर्थडे पार्टी के दौरान हुई आपसी कहासुनी ने शुक्रवार को हिंसक रूप ले लिया। दिनांक 22 जनवरी 2026 को एक बर्थडे पार्टी में हुए विवाद को लेकर शनिवार देर शाम को दोनों पक्ष सिंहद्वार क्षेत्र में आमने-सामने आ गए और मारपीट व गाली-गलौज करते हुए एक-दूसरे को जान से मारने की धमकियां देने लगे। इस दौरान आरोपियों ने वाहनों में तोड़फोड़ कर शांति व्यवस्था भंग कर दी। पुलिस द्वारा पकड़े गए आरोपियों में निदान शाह पुत्र विक्रम शाह निवासी दादू बाग कनखल, हर्ष शर्मा पुत्र शम्मी शर्मा निवासी सतीघाट पटियाला हाउस कनखल, चैतन्य शर्मा पुत्र कृष्ण मुरारी शर्मा निवासी ज्ञानलोक कॉलोनी कनखल, कृष्णागिरी पुत्र ओंकार गिरी निवासी लोटो वाली कनखल, करण चौधरी पुत्र लहरी सिंह निवासी कनखल, शिवम भल्ला पुत्र संजीव भल्ला निवासी कनखल, विकास मिश्रा पुत्र मनीष मिश्रा निवासी हनुमंतपुरम कनखल तथा आर्यन पुत्र संजीव भल्ला निवासी विष्णु गार्डन थाना कनखल जनपद हरिद्वार शामिल हैं। कनखल थाना प्रभारी मनोहर रावत ने बताया कि सार्वजनिक स्थान पर शांति भंग करने व वाहनों में तोड़फोड़ करने के आरोप में सभी आरोपियों के चालान कर दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

गणतंत्र दिवस पर सुरक्षा को लेकर हरिद्वार पुलिस पूरी तरह मुस्तैद, एसएसपी ने दिये निर्देश

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

गणतंत्र दिवस के दृष्टिगत पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था के लिए एसएसपी प्रमेन्द्र सिंह डोबाल द्वारा सभी थाना प्रभारियों को विशेष निर्देश जारी किए गए हैं। सभी थाना प्रभारियों को अपने अपने क्षेत्रों में व्यापक सुरक्षा व्यवस्था एवं सघन चैकिंग के निर्देश दिये गए हैं। महत्वपूर्ण कार्यक्रम स्थलों पर सुरक्षा उपकरण सहित चेकिंग करने के निर्देश देते हुए संदिग्ध गतिविधियों एवं आवाजाही पर नजर रखने के लिए कहा है।

एसएसपी ने गणतंत्र दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले प्रत्येक समारोह के समय स्थान, आने वाले विशिष्ट व्यक्ति का विवरण अपने पास उपलब्ध रखने के लिए कहा है। प्रस्तावित कार्यक्रमों में सम्भावित भीड़ का आंकलन कर प्रभावी पुलिस व्यवस्था की जाये। महत्वपूर्ण समारोह स्थल का हैण्ड हैंडल्ड मैटल डिटेक्टर से एन्टीसबोटाज चैकिंग की कार्यवाही सुनिश्चित की जाये। थाना क्षेत्रान्तर्गत महत्तवपूर्ण संस्थानों/सार्वजनिक प्रतिष्ठानों की सुरक्षा व्यवस्था विशेष रूप से सुनिश्चित की जाये ताकि अवांछनीय व समाज विरोधी तत्व गंणतन्त्र दिवस समारोह के अवसर पर किसी प्रकार की तोड़ फोड़ आदि की कार्यवाही न कर सके। ऐसे स्थानों की पहचान की जाये जहां पर अवांछित व्यक्ति आकर रूक सकते हैं या छिपकर किसी प्रकार की हिसांत्मक गतिविधि का अंजाम सकता हैं। बस स्टेशनों रेलवे स्टेशनों/सिनेमा घरों/होटलो/कस्बों ढाबों आदि की आकस्मिक रूप से चैकिंग करायी जाये। बम निरोधक दस्ता लगातार राउंड पर रहे। संदिग्ध गतिविधियों के बारे में जानकारी देने के लिए आमजन को प्रोत्साहित किया जाए। अभी से लगातार गंणतन्त्र दिवस समारोह के सम्पन्न होने तक संवेदनशील क्षेत्रों में उप निरीक्षक के नेतृत्व में मोबाइल पार्टी नियुक्त करें।जनपद की सीमा पर लगातार 24 घंटे चेकिंग कराई जाए तथा थाना क्षेत्र में निरंतर गश्त एवं पिकेट को अलर्ट मोड में रखा जाए।

स्कूलों और आंगनबाड़ी केंद्रों में चोरी करने वाले गैंग का खुलासा, चार गिरफ्तार

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

घने कोहरे व एकान्त का फायदा उठाकर स्कूलों व आगनबाडी केन्द्रों को अपना निशाना बनाने वाले शातिर चोर गिरोह का पुलिस ने पर्दापाश किया है। पुलिस ने गिरोह के चार सदस्यों को गिरफ्तार कर चुराया गया सामान बरामद किया है। बरामद सामान की कीमत करीब साढ़े तीन लाख रुपये है। पुलिस के मुताबिक थाना क्षेत्र में भूरना गांव के प्रा0वि0 स्कूल, भूरनी गांव के आंगनबाडी केन्द्र, भुरनी गांव प्रा0वि0स्कूल और किसान इण्टर कॉलेज भूरनी में लगातार अलग अलग तिथियों को हुयी चोरी कि घटना पर कोतवाली लक्सर में चार अभियोग पंजीकृत किये गये थे। क्षेत्र में सरकारी संस्थानों में लगातार हो रही चोरी की घटनाओ का संज्ञान लेते हुये एसएसपी हरिद्वार द्वारा प्रभारी निरीक्षक कोतवाली लक्सर को घटना के अनावरण हेतु पुलिस टीम गठित करने हेतु निर्देश दिये गये। गठित टीमों द्वारा घटनास्थल के आस-पास लगे सीसीटीवी कैमरों की बारिकी से जांच कर सीसीटीवी कैमरो में मिलते जुलते चहरो की शिनाख्त तथा मैनुअली जानकारी जुटाई गयी। गठित पुलिस टीम द्वारा बीती 23 जनवरी को प्रत्येक क्षेत्र में पुलिस टीमें निकालकर ठोस पतारसी व सुरागरसी से लक्सर क्षेत्र से 4 व्यक्तियों को चोरी के सामान के साथ गिरफ्तार किया। शातिर चोरो द्वारा शातीराने तरीके से अलग-अलग स्कूलों व आगनबाडी केन्द्रों से विभिन्न तिथियों को चोरी किये सामान को छुपाकर रखा गया था, जिसे रात में कही ले जाकर बेचने की फिराक में थे। लक्सर पुलिस टीम त्वरित कार्यवाही से चोरी के समान की शतप्रतिशत बरामदगी कर चोरी/नकबजनी की घटनाओं का सफल अनावरण का किया। पकड़े गए अभियुक्तगणों के पूर्व आपराधिक इतिहास की जानकारी की जा रही है। गिरफ्तार अभियुक्तों के नाम रोहित उर्फ लिला पुत्र विजय पाल, अजीत पुत्र सुरेश पाल, सोहित पुत्र शीशपाल और गगन पुत्र श्याम सिंह है।

हरिद्वार में ऑटो, विक्रम और ई-रिक्शा की हड़ताल, जनता ने झेली परेशानी

पथ प्रवाह, हरिद्वार में शनिवार को ऑटो, विक्रम और ई-रिक्शा चालकों की हड़ताल से जनता को परेशानी का सामना करना पड़ा। ऋषिकेश में इलेक्ट्रिक सिटी बसों के संचालन के फैसले से नाराज वाहन चालकों ने हरिद्वार में भी चक्काजाम कर विरोध प्रदर्शन किया।

इस दौरान सवारी वाहनों का संचालन ठप होने से आमजन को परेशानी झेलनी पड़ी। हड़ताल के चलते लोग पैदल चलने के लिए मजबूर हुए। शनिवार को शहर के विभिन्न ऑटो, विक्रम और ई-रिक्शा संगठनों ने ऋषिकेश यूनियन की हड़ताल का समर्थन किया। इसका सीधा असर हरिद्वार की यातायात व्यवस्था पर पड़ा। प्रमुख चौराहे, रेलवे स्टेशन और बस अड्डों पर यात्री घंटों सवारी वाहन का इंतजार करते नजर आए। हड़ताल का सबसे ज्यादा असर रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड पर देखने को मिला। हरकी पैड़ी जाने वाले श्रद्धालुओं को भी वाहन नहीं मिले, जिससे लोग पैदल ही दूरी तय करते नजर आए। ज्वालापुर, कनखल और हरिद्वार के बीच भी आवाजाही प्रभावित रही। इस दौरान महामंत्री राजेश जाटव विजय अग्रवाल, राजकुमार, प्रिंस, सुनील शर्मा आदि ने कहा कि ई सिटी बसें चलाने का निर्णय ऑटो-विक्रम और ई-रिक्शा चालकों के लिए घातक साबित होगा। ऋषिकेश और हरिद्वार के बीच संचालन से दोनों शहरों के बीच सवारी कारोबार ठप होगा। हरिद्वार में भी ई-बसें चलाने की तैयारी की जा रही है, जिसका विरोध किया जाएगा।

संपादकीय

उत्तराखंड में बर्फबारी और पर्यटन ने भरी नई ऊर्जा

उत्तराखंड की पर्वतीय चोटियों पर हुई ताज़ा बर्फबारी ने न केवल प्रकृति को अलौकिक सौंदर्य से भर दिया, बल्कि राज्य की अर्थव्यवस्था को भी नई रफ्तार दी है। मसूरी, नैनीताल, औली, चकराता, मुनस्यारी जैसे पर्यटन स्थलों पर बर्फ की सफेद चादर बिछते ही पर्यटकों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। रविवार और गणतंत्र दिवस की छुट्टी का संयोग इस पर्यटन उछाल को और मजबूती देता दिखाई दिया।

पर्यटन उत्तराखंड की अर्थव्यवस्था की रीढ़ रहा है। बर्फबारी के साथ ही होटल, होमस्टे, टैक्सी, गाइड, रेस्टोरेंट और स्थानीय हस्तशिल्प से जुड़े लोगों की आय में सीधा इज़ाफा देखने को मिला। लंबे समय से सुस्ती झेल रहे पर्यटन व्यवसाय को इस सीजन ने संजीवनी दी है। खासकर छोटे कारोबारियों, स्थानीय युवाओं और महिला स्वयं सहायता समूहों के लिए यह भीड़ रोजगार और आय का बड़ा अवसर बनकर आई।

गणतंत्र दिवस की छुट्टी के चलते देश के विभिन्न हिस्सों से आए सैलानियों ने उत्तराखंड को प्राथमिकता दी। सोशल मीडिया पर वायरल बर्फीले नज़ारों ने भी पर्यटकों को आकर्षित किया। इसका असर यह हुआ कि कई पर्यटन स्थलों पर होटल पहले से ही फुल रहे और स्थानीय बाजारों में रौनक लौट आई। पर्यटन विभाग के लिए यह संकेत है कि यदि सही प्रचार, बेहतर कनेक्टिविटी और सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं, तो उत्तराखंड साल भर पर्यटन का केंद्र बना रह सकता है।

हालांकि, इस बढ़ती भीड़ के साथ चुनौतियां भी कम नहीं हैं। यातायात जाम, पार्किंग की समस्या, कचरा प्रबंधन और पर्यावरणीय संतुलन पर दबाव जैसी समस्याएं सामने आई हैं। बर्फबारी के दौरान सड़क सुरक्षा, आपदा प्रबंधन और पर्यटकों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी बनती है। यह आवश्यक है कि विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन बनाए रखा जाए।

सकारात्मक पक्ष यह है कि राज्य सरकार और स्थानीय प्रशासन लगातार इंफ्रास्ट्रक्चर सुधार, चारधाम ऑल वेदर रोड, डिजिटल बुकिंग और होमस्टे नीति जैसे कदमों से पर्यटन को व्यवस्थित करने की दिशा में प्रयासरत हैं। यदि इन पहलों को दीर्घकालिक दृष्टि से लागू किया गया, तो पर्यटन केवल मौसमी नहीं बल्कि स्थायी आर्थिक आधार बन सकता है।

उत्तराखंड में बर्फबारी ने जहां प्रकृति प्रेमियों को रोमांचित किया है, वहीं राज्य की

25 जनवरी : राष्ट्रीय प्रतीक 'अशोक स्तंभ' की स्वीकृति का ऐतिहासिक दिवस

सुनील कुमार महला

25 जनवरी का दिन अपने आप में अत्यंत गौरवपूर्ण, महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक है। दरअसल, इसी दिन वर्ष 1950 में भारत ने अपने राष्ट्रीय प्रतीक 'अशोक स्तंभ' के सिंह शीर्ष को आधिकारिक रूप से स्वीकार किया था। यह निर्णय केवल एक प्रतीक के चयन तक सीमित नहीं था, बल्कि यह संवैधानिक भारत की पहचान और उसके मूल्यों की औपचारिक घोषणा थी।

15 अगस्त 1947 को स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात यह महसूस किया गया कि नवस्वतंत्र भारत का एक ऐसा राष्ट्रीय प्रतीक होना चाहिए, जो भारत की प्राचीन सभ्यता-संस्कृति, संवैधानिक आदर्शों तथा राष्ट्रीय आत्मा को प्रतिबिंबित कर सके। इसी उद्देश्य से मौर्य सम्राट अशोक द्वारा स्थापित सारनाथ स्थित अशोक स्तंभ को आधार बनाया गया, जो तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व की एक अनुपम और अमूल्य ऐतिहासिक धरोहर है।

यदि हम अशोक स्तंभ के सिंह शीर्ष की बात करें, तो इसके शीर्ष पर चार सिंह पीठ से पीठ सटाए हुए खड़े हैं, जो चारों दिशाओं की ओर दृष्टि रखते हैं। इसके नीचे स्थित गोलाकार अबेकस (मंडल) पर क्रमशः सिंह, घोड़ा, बैल (सांड), हाथी तथा बीच में अशोक चक्र है। ये सभी प्रतीक शक्ति, साहस, सतर्कता, नैतिकता और धर्म के संदेशवाहक हैं। प्रतीकात्मक दृष्टि से हाथी गर्भ, बैल राशि, घोड़ा गृहत्याग, तथा सिंह ज्ञान का प्रतीक माना जाता है। सारनाथ का अशोक स्तंभ चुनार के बलुआ पत्थर से निर्मित है और इसकी ऊँचाई लगभग 45 फीट है। यह स्तंभ एकाश्म शैली में बनाया गया है, अर्थात् इसे एक ही पत्थर को तराशकर तैयार किया गया है, जो इसकी तकनीकी उत्कृष्टता को दर्शाता है। उल्लेखनीय है कि सारनाथ (वाराणसी, उत्तर प्रदेश) वही स्थान है, जहाँ महात्मा बुद्ध ने अपना पहला उपदेश दिया था। सम्राट अशोक ने ऐसे ही स्तंभों की स्थापना बौद्ध धर्म के प्रसार हेतु प्रमुख स्थानों पर करवाई थी। राष्ट्रीय प्रतीक में प्रदर्शित अशोक चक्र 32 तीलियों से युक्त है, जिसके दाईं ओर एक सांड और बाईं ओर एक घोड़ा अंकित है। प्रतीक के ठीक नीचे अंकित वाक्य 'सत्यमेव जयते' का अर्थ है- सत्य की ही विजय होती है। यह वाक्य मुण्डक उपनिषद से लिया गया है और भारत के शासन, लोकतंत्र तथा संवैधानिक व्यवस्था की नैतिक आधारशिला को दर्शाता है। यह स्पष्ट संकेत देता है कि भारत का शासन सत्य, न्याय और धर्म पर आधारित होगा।

यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है कि 25 जनवरी 1950 को ही इस राष्ट्रीय चिह्न को आधिकारिक स्वीकृति क्यों दी गई? इसका सीधा और सटीक उत्तर यह है कि 26 जनवरी 1950 को भारत का संविधान लागू हुआ था, और उससे ठीक एक दिन पहले राष्ट्र को उसके आधिकारिक प्रतीक से सुसज्जित किया गया। इस प्रकार, यह निर्णय संवैधानिक भारत की पहचान की औपचारिक घोषणा के रूप में देखा जा सकता है।

राष्ट्रीय प्रतीक के डिज़ाइन और रूपांतरण की बात करें, तो मूल अशोक स्तंभ में जहाँ चार सिंह हैं, वहीं राष्ट्रीय प्रतीक में सामने दिखाई देने वाले केवल तीन सिंह दर्शाए गए हैं। यह डिज़ाइन महान कलाकार नंदलाल बोस के निर्देशन में तैयार किया गया था। नंदलाल बोस का जन्म 3 दिसंबर 1882 को खड़गपुर (तत्कालीन बंगाल प्रेसीडेंसी) में हुआ था। वे भारतीय कला पुनर्जागरण के प्रमुख स्तंभों में से एक थे और उन्होंने भारतीय कला को औपनिवेशिक प्रभाव से मुक्त कर स्वदेशी पहचान प्रदान की। समकालीन संदर्भ में उल्लेखनीय है कि वर्ष 2022 में नए संसद भवन के शीर्ष पर अशोक स्तंभ की एक विशाल कांस्य प्रतिकृति स्थापित की गई। इसका अनावरण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 11 जुलाई 2022 को किया गया। यह कांस्य स्तंभ लगभग 20 फीट ऊँचा, 11-14 फीट चौड़ा तथा 9500 किलोग्राम वजनी है। जानकारी के अनुसार, नए संसद भवन पर स्थापित यह प्रतिकृति मूल अशोक स्तंभ की तुलना में लगभग चार गुना बड़ी है और इसका साँचा लगभग 1.6 मीटर ऊँचा बनाया गया। आज राष्ट्रीय प्रतीक 'अशोक स्तंभ' का उपयोग राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, न्यायपालिका, भारतीय मुद्रा, पासपोर्ट, सरकारी दस्तावेजों, अधिसूचनाओं तथा विभिन्न सरकारी भवनों पर भारत की संप्रभुता और अधिकार के प्रतीक के रूप में किया जाता है। चूँकि यह केवल एक ऐतिहासिक धरोहर नहीं, बल्कि संवैधानिक महत्व का राष्ट्रीय चिह्न है, इसलिए इसके उपयोग को लेकर स्पष्ट नियम-कानून निर्धारित किए गए हैं। राष्ट्रीय चिन्ह का उपयोग केवल संवैधानिक पदों पर आसीन व्यक्तियों-जैसे राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल, मुख्यमंत्री और उच्च अधिकारियों- द्वारा ही किया जा सकता है।

25 जनवरी राष्ट्रीय मतदाता दिवस

वोट की ताकत हमारा संवैधानिक अधिकार है

डॉ. अशोक कुमार भार्गव

25 जनवरी 1950 अर्थात भारत निर्वाचन आयोग के स्थापना दिवस को पूरे देश में राष्ट्रीय मतदाता दिवस के रूप में मनाते हैं। इसका उद्देश्य भारतीय नागरिकों को मतदाता के रूप में उनके अधिकारों और दायित्वों के प्रति जागृत करना है। यह परंपरा वर्ष 2011 से प्रारंभ हुई है। निर्वाचनआयोग एक स्वायत्त संवैधानिक निकाय है जो भारत में संघ एवं राज्य निर्वाचन प्रक्रियाओं का संचालन करने के लिए उत्तरदायी है। यह निकाय ही भारत में लोकसभा, राज्यसभा, राज्य विधानसभाओं, देश में राष्ट्रपति,उपराष्ट्रपति के पदों के निर्वाचनों का संचालन करने के लिए प्रतिबद्ध है। हमें गर्व है कि हम दुनिया के सबसे सशक्त, सफल, परिपक्व लोकतांत्रिक गणराज्य के नागरिक हैं। लोकतंत्र न केवल सर्वोत्तम शासन पद्धति है वरन एक शैली है जीवन यापन की, एक विधि और दर्शन है। इस व्यवस्था में स्वतंत्र निष्पक्ष एवं पारदर्शी चुनाव लोक आस्था, लोक निष्ठा के प्रतीक होते हैं। चुनाव लोकतंत्र की आत्मा है और मतदाता ही लोकतंत्र के भाग्य विधाता है। चुनाव के बिना लोकतंत्र और लोकतंत्र के बिना चुनाव दोनों अर्थहीन हो जाते हैं । भारतीय संविधान के मुख्य शिल्पकार डॉ. अंबेडकर ने प्रत्येक व्यक्ति की गरिमा का सम्मान करते हुए मतदान के अधिकार को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। भारतीय संविधान की सबसे बड़ी विलक्षणता ही यह है कि वह देश के प्रत्येक नागरिक को बिना किसी भेदभाव के न केवल वोट देने की ताकत देता है वरन प्रत्येक वोट का मूल्यांकन भी समान करता है। यह ताकत प्रत्येक मतदाता का न केवल संवैधानिक अधिकार है वरन उसकी जिम्मेदारी भी और जिम्मेदारी सिर्फ ओढ़ने के लिए नहीं होती वरन निभाने के लिए होती है। जो मतदाता अपने इस मूल्यवान अधिकार का उपयोग नहीं करते वे न केवल लोकतंत्र की बुनियाद को कमजोर करते हैं वरन राष्ट्र के भविष्य के साथ खिलवाड़ भी करते हैं। भारत में सन 1952 से निरंतर एक निश्चित समय अंतराल पर लोकसभा और विधानसभाओं के निर्वाचन संपन्न हो रहे हैं । चुनाव में मतदान का प्रतिशत है यद्यपि अपेक्षाकृत बड़ा है किंतु फिर भी एक बहुत बड़ा तबका अर्थात 30 से 35% मतदाता आज भी कोउ नृप होय हमें का हानीकी दूषित मानसिकता के चलते मतदान के प्रति निष्क्रिय, उदासीन और विमुख है। वोट देने की ताकत राष्ट्र के विकास या विनाश की निर्णायक शक्ति होती है। अक्सर वोट न देने वाले मतदाता सरकार की नाकामी पर गरियाते रहते हैं, तर्क कुतर्क वितर्क करते रहते हैं ऐसे ही एक याचिकाकर्ता को आढे हाथों लेते हुए सुप्रीम कोर्ट ने फटकार लगाई थी कि अगर आप वोट नहीं देते हैं तो किसी काम के लिए आपके पास सरकार पर तोहमत लगाने का अधिकार भी नहीं है।

इसलिए समावेशी और सहभागी लोकतंत्र की बुनियाद को मजबूत करने के लिए नए मतदाताओं को प्रोत्साहित करना, उन्हें सुविधाएं देना, उनका नामांकन बढ़ाना , उन्हें सशक्त, सतर्क, सुरक्षित और वोट देने के अधिकार के प्रति जागरूक करना अपरिहार्य होता है। भारत निर्वाचन आयोग ने मतदाताओं को सुव्यवस्थित शिक्षण हेतु कई सामान्य और लक्षित हस्तक्षेपों पर आधारित 360 डिग्री संचार का राष्ट्रव्यापी स्वीप कार्यक्रम वर्ष 2009 से प्रारंभ कियाहै। फल स्वरुप मतदान का प्रतिशत बढ़ा है, जेंडर गैप कम हुआ है, मतदान केंद्र पर हिंसा लूट और मतदान के बहिष्कार जैसी घटनाएं कम हुई है, नए युवा मतदाता शतप्रतिशत जुड़ रहे हैं, नामांकन बढ़ रहा है और सूचित, नैतिक, स्वतंत्र प्रोत्साहित वोटिंग प्रत्येक मतदान केंद्र पर बढ़ रही है।

यह एक कटु सत्य है कि चुनाव का लोकतांत्रिक अनुष्ठान मतदाताओं के मतों की आहुतियों के बिना फलीभूत नहीं हो सकता क्योंकि लोकतंत्र का स्वरूप वैसा ही होता है जैसे उसके नियंता होते हैं और लोकतंत्र में मतदाता ही लोकतंत्र के असली मालिक और नियंता होते हैं। वे अपनी सरकार, अपने लिए, अपने ही द्वारा चुनते हैं। अतः लोकतंत्र में एक मतदाता का अज्ञान भी सबकी सुरक्षा को संकट में डालने के लिए पर्याप्त होता है। क्योंकि जम्हूरियत वह तर्जे हुकूमत है कि जिसमें बंदों को तोला नहीं गिना करते हैं अर्थात एक-एक वोट महत्वपूर्ण होता है। एक एक वोट से हार जीत होती है। यों तो लोकतंत्र में हम लोक कहलाना पसंद करते हैं किंतु तंत्र का हिस्सा नहीं बनते। अतः संविधान प्रदत्त वोट डालने के अपने मूल्यवान अधिकार का हर संभव परिस्थितियों में उपयोग करना चाहिए। हम भारत के लोग परम सौभाग्यशाली हैं कि हमें 26 जनवरी 1950 को भारतीय संविधान के लागू होते ही सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार की अनुपम सौगात बिना किसी संघर्ष के प्राप्त हो गई जबकि वैश्विक स्तर पर इसे प्राप्त करने का इतिहास आंदोलनों, प्रदर्शनों और संघर्षपूर्ण अभियानों का रहा है।19वीं सदी के प्रारंभ में लोकतंत्र के लिए होने वाले संघर्ष प्रायः राजनीतिक समानता, आजादी और न्याय जैसे मानवीय मूल्यों को लेकर ही होते थे किंतु सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार की मांग प्रमुख होती होती थी। यूरोप के अधिकांश देश जो लोकतांत्रिक व्यवस्था को अपनाते जा रहे थे वह भी सभी लोगों को वोट देने की अनुमति नहीं देते थे। कुछ देशों में केवल उन्हीं लोगों को वोट देने का अधिकार था जिनके पास संपत्ति थी या वे बड़े जमींदार, सामंत अथवा पादरी थे। महिलाओं के साथ भेदभाव होता था और वोट देने का अधिकार मिलता ही नहीं था। संयुक्त राज्य अमेरिका में अश्वेतों को 1965 तक मतदान का अधिकार नहीं मिला। कई देशों में मताधिकार को प्राप्त करने के लिए साक्षरता की परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य होता था। प्रथम विश्व युद्ध के दौरान महिलाओं ने कारखाने और अन्य क्षेत्रों में अपनी निर्णायक भूमिका से राष्ट्र की अर्थव्यवस्था और युद्ध के प्रयासों में महत्वपूर्ण योगदान दिया था जिससे यह धारणा विकसित हुई कि महिलाओं को वोट देने का अधिकार मिलना ही चाहिए। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद संयुक्त राष्ट्र ने भी महिलाओं के मताधिकार को प्रोत्साहित किया।1950 के बाद धीरे-धीरे अर्जेंटीना, मलेशिया, दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया, यूनान, स्पेन आदि देशों के नागरिकों को सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार प्राप्त हुए।

लोकतांत्रिक व्यवस्था में चुनाव संबंधी बड़े रोचक तथ्य भी इंस्टिट्यूट ऑफ़ डेमोक्रेसी एंड इलेक्टोरल असिस्टेंट के प्रतिवेदन में मिलते हैं। विश्व के अनेक देशों जैसे बेल्जियम, स्विट्जरलैंड, ऑस्ट्रेलिया, सिंगापुर, अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया और बोलिविया आदि देशों में मतदान करना अनिवार्य है। भारत सहित फिलिपींस थाईलैंड जैसे देशों में मतदान करना केवल नागरिक कर्तव्य है बाध्यता नहीं। जबकि कई देश ऐसे हैं जहां इस कर्तव्य के पालन न करने पर सजा का प्रावधान है। मतदान की अनिवार्यता लागू करने वाले देशों में से 19 ऐसे देश हैं जहां इस नियम को तोड़ने पर सजा भी दी जाती है। जिन देशों में मतदान अनिवार्य है वहां 70 वर्ष से अधिक आयु के लोगों के लिए यह बाध्यता नहीं है। आस्ट्रेलिया, ब्राजील जैसे देशों में मतदान न करने पर अनुपस्थिति का कारण सहित औचित्य प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होता है।अर्जेंटीना में तो पुलिस के पास इस बात का प्रमाण पत्र जमा करना होता है कि मतदान के दिन आप वास्तव में कहां थे। पेरू और ग्रीस जैसे देशों में मतदान न करने वाले व्यक्ति को सार्वजनिक सेवाओं से वंचित कर दिया जाता है।बोलिविया में वोट न देने वाले का तीन माह का वेतन तक रोक दिया जाता है। भारत में यद्यपि मतदान संवैधानिक कर्तव्य है बाध्यता नहीं किंतु फिर भी यह हमारा मूल्यवान लोकतांत्रिक कर्तव्य है। वैसे तो चुनाव की चुनौती व्यक्ति के जीवन मैं हर क्षण उपस्थिति रहती है। बाजार से फल, गहने, कपड़े, अन्य वस्तु,सब्जी भाजी या मिट्टी का घड़ा ही क्यों ना खरीदना हो अथवा वैवाहिक रिश्ता तय करना हो तब हम बहुत ठोक बजाकर सम्यक चुनाव करते हैंजब हम अपने जीवन के निर्णय बहुत सोच समझ कर लेते हैं तब हमें इतने बड़े राष्ट्र की बागडोर जिन्हें सौंप रहे हैं उन्हें चुनते वक्त बिना किसी जाति धर्म भेद किए, वोटों के महाठगों के मायावी वादों,लालच, प्रलोभन आदि से निर्लिप्त रहकर दूध का दूध और पानी का पानी करते हुए विवेक सम्मत मतदान करना चाहिए। हमें ऐसे श्रेष्ठ जन प्रतिनिधि चुनने चाहिए जो वास्तव में नैतिक मूल्यों राष्ट्रीय आदर्शों, सदाचार, ईमानदारी, राष्ट्र प्रेम, राष्ट्रभक्ति की उदात्त चेतना के पोषक हों क्योंकि भारतीय चुनावों का महात्म्य किसी महाकुंभ से कम नहीं होता।

हमने तीन साल में ठोस निर्णय लेकर गढ़े विकास के आयाम

श्रीमती नीतू महेंद्र यादव

नर्मदा मैया की जय, मां नर्मदा के तट पर बसा हमारा नगर नर्मदापुरम् आज प्रगति के पथ पर अग्रसर है। नागरिकों की मंशा अनुरूप और हमारे वरिष्ठ जनप्रतिनिधिगणों के मार्गदर्शन में नर्मदापुरम नगर में वे सब काम संभव हो पाएं हैं जो कभी सपने हुआ करते थे। हमारी परिषद द्वारा नगर विकास को लेकर एक रणनीतिक तैयारी शुरू की गई और आज तीन साल का आंकलन करें तो हरेक वार्ड में अनेक विकास कार्य हुए हैं। जिससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि हमने सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास के साथ कार्य किया है। जिनमें मुख्यमंत्री अधोसंरचना, नगरीय निकाय योजना, केंद्रीय योजना, सांसद निधि, विधायक निधि का हमारी परिषद द्वारा बेहतर उपयोग कर नागरिकों को हरसंभव सुविधा प्रदान की गई है। हमारी परिषद द्वारा प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी, हमारे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी की परिकल्पना अनुरूप कार्य किए जा रहे हैं।

नर्मदा तट पर बने यहां के घाट विश्व प्रसिद्ध हैं। यहां वर्ष भर धार्मिक पर्वों और उत्सवों पर मेलों का आयोजन होता है। यहां के प्रसिद्ध सेठानीघाट, पर्यटन घाट, विवेकानंद घाट, परमहंस घाट सहित अन्य घाटों पर शंख और घंटियों की मधुर ध्वनि गूंजने लगती हैं। जब विप्रगण सम्वेद स्वरों से त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवि नर्मदे गाते हैं तो पूरा वातावरण नर्मदामय हो जाता है। माघ शुक्ल सप्तमी को मां नर्मदा का जन्मोत्सव नर्मदा जयंती के रूप में मनाया जाता है यह आयोजन पूरे देश में प्रसिद्ध है। जिनका सुनियोजित तरीके से आयोजन श्रद्धालुओं को अपनी ओर आकर्षित करता है। इसलिए यह नगर धार्मिक पर्यटन के रूप में मानस पटल पर उभर रहा है।

हमारी परिषद के तीन साल बेमिसाल रहे हैं। नगर से संबंधित कई बड़ी चुनौतियां थी जिसका हमारी परिषद ने सामना किया। हमारी परिषद द्वारा जो ऐतिहासिक कार्य किए गए हैं उनमें मीनाक्षी चौक का चौड़ीकरण के साथ ही मंदिर को स्थानांतरित करना था। उक्त कार्य को भी हमारी परिषद द्वारा किया गया। जिसका नतीजा है कि मीनाक्षी चौक का चौड़ीकरण और मीनाक्षी का राजराजेश्वरी का मंदिर दिव्य और भव्य रूप में नजर आने लगा है। हमारी परिषद द्वारा मां नर्मदा लोक कोरीडोर, चौक चौराहों का चौड़ीकरण, राजघाट का उन्नयन कार्य, मीनाक्षी चौक का चौड़ीकरण, नए एवं भव्य मंदिर का निर्माण, घाटों का सौंदर्गीकरण विकास, स्टेडियम निर्माण, बस स्टेंड का नवीनीकरण, भोपाल तिराहे का सौदर्गीकरण, सांस्कृतिक हाल का निर्माण, वार्डों में मंगल भवन, सुलभ काम्प्लेक्स का निर्माण, रैन बसेरों में समुचित व्यवस्थाएं, वार्डों में सड़कों का निर्माण, नालों का निर्माण, अतिक्रमण हटाओ मुहिम, नगर को स्वच्छ सर्वेक्षण में सर्वोपरि रखना आदि शामिल हैं। ये सभी कार्य बिना किसी भेदभाव के संपन्न किए जा रहे हैं।

नागरिकों ने जिस मंशा से भाजपा की नगरपालिका बनाई है उसी मंशानुरूप हम कार्य कर रहे हैं। समय-समय पर नगरपालिका में बैठक लेकर पार्षदगणों के विचारों को समावेश कर नगर विकास कर रहे हैं। हमारी परिषद द्वारा स्वच्छता पर भी विशेष ध्यान दिया जाता है। स्वच्छता के प्रति लोगों में जनजागरूता आ रही है। वार्डों के चौक चौराहों पर नगरपालिका परिषद की टीम नुक्कड़ नाटक और सोशल मीडिया के साथ ही समाचार पत्रों के माध्यम से स्वच्छता अभियान की अलख जगाने का कार्य कर रही है। हर वार्ड में समय पर कचरा गाड़ी पहुंच रही है। ट्रेंचिंग ग्राउंड में अत्याधुनिक मशीनों द्वारा कचरा का पृथकीकरण किया जा रहा है, जल्द ही हम कचरे के पहाड़ से नगर को मुक्ति दिलाएंगे। आने वाले समय में हम निरंतर कार्य करते रहेंगे। हमारी मंशा है कि हम नागरिकों के विश्वास पर खरा उतरें। नर्मदे हर....

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी की दो टूक: भ्रष्टाचार किया तो कार्रवाई होना तय

पथ प्रवाह, देहरादून।

उत्तराखंड में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति एक बार फिर सख्त और निर्णायक कार्रवाई के रूप में सामने आई है। होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा विभाग में वर्दी सामग्री की खरीद से जुड़े घोटाले में मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कड़ा रुख अपनाते हुए निदेशक होमगार्ड्स (डिप्टी कमांडेंट) अमिताभ श्रीवास्तव को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। साथ ही पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच के लिए संयुक्त जांच समिति गठित करने के निर्देश भी जारी किए गए हैं।

यह मामला वित्तीय वर्ष 2024-25 एवं 2025-26 की वर्दी खरीद प्रक्रिया से जुड़ा बताया जा रहा है, जिसमें टेंडर प्रक्रिया में पारदर्शिता के अभाव और नियमों के उल्लंघन के गंभीर आरोप सामने आए हैं। शासन तक रिपोर्ट पहुँचते ही मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने बिना किसी देरी के कार्रवाई करते

हुए यह स्पष्ट संदेश दिया कि भ्रष्टाचार के प्रति सरकार की नीति बिल्कुल साफ और कठोर है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दो टूक कहा है कि राज्य सरकार भ्रष्टाचार के मामले में किसी भी स्तर पर समझौता नहीं करेगी। दोषी चाहे कितना भी बड़ा अधिकारी क्यों न हो, कार्रवाई तय है। उनका यह स्पष्ट संदेश अब केवल बयान नहीं, बल्कि लगातार हो रही कार्रवाइयों के माध्यम से ज़मीनी सच्चाई बन चुका है। प्रशासनिक व्यवस्था में जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए सरकार लगातार ठोस कदम उठा रही है, जिससे शासन में पारदर्शिता और जनविश्वास मजबूत हो सके। बीते तीन वर्षों में धामी सरकार ने यह सिद्ध कर दिया है कि कार्रवाई केवल छोटे कर्मचारियों तक सीमित नहीं रहेगी। उच्च पदों पर बैठे कई बड़े अधिकारियों पर भी कानून का शिकंजा कसा गया है। हरिद्वार भूमि घोटाले में दो आईएएस और एक पीसीएस अधिकारी सहित कुल 12 लोगों का निलंबन, भर्ती घोटालों में गिरफ्तारी, वन विभाग, उद्यान विभाग, परिवहन निगम, स्टांप एवं रजिस्ट्रेशन और कर विभाग जैसे 12 से अधिक मामलों में सख्त कार्रवाई इसका उदाहरण हैं। आईएएस अधिकारी रामविलास यादव और आईएफएस अधिकारी किशन चंद जैसे बड़े नाम जेल तक पहुँच चुके हैं, वहीं पूर्व चस्स्स्ष्ट चेयरमैन आरबीएस रावत परीक्षा घोटाले में सलाखों के पीछे हैं। उद्यान निदेशक हरमिंदर सिंह बवेजा, आयुर्वेद विश्वविद्यालय के वित्त नियंत्रक अमित जैन, परिवहन निगम के वरिष्ठ अधिकारी भूपेंद्र कुमार, स्टांप एवं रजिस्ट्रेशन विभाग के उप निबंधक रामदत्त मिश्र सहित कई अधिकारियों पर निलंबन और विजिलेंस जांच की कार्रवाई की गई है।

इन मामलों की लंबी श्रृंखला यह स्पष्ट करती है कि उत्तराखंड में अब कार्रवाई व्यक्ति नहीं, बल्कि कृत्य के आधार पर हो रही है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में यह संदेश पूरी तरह स्थापित हो चुका है कि भ्रष्टाचार के लिए कोई सुरक्षित स्थान नहीं है। नियमों से खिलवाड़ करने वालों के लिए केवल सख्त कार्रवाई होना तय है।

एक नजर

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने बाल विवाह मुक्ति रथ को दिखाई हरी झंडी

पथ प्रवाह, देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को मुख्यमंत्री आवास में समर्पण सोसाइटी फॉर हेल्थ रिसर्च एंड डेवलपमेंट द्वारा देहरादून में बाल विवाह की रोकथाम के लिए संचालित बाल विवाह मुक्ति रथ को फ्लैग ऑफ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि यह रथ एक प्रभावी जन-जागरूकता अभियान के रूप में कार्य करेगा, जिसका उद्देश्य दूरस्थ, ग्रामीण एवं उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों तक पहुँच बनाकर बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीति के विरुद्ध सशक्त और समयबद्ध संदेश जन-जन तक पहुँचाना है। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि बाल विवाह समाज के समग्र विकास में एक गंभीर बाधा है और इसके उन्मूलन के लिए जनभागीदारी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह अभियान समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा और बालिकाओं के अधिकारों की रक्षा को मजबूती प्रदान करेगा। यह जन-जागरूकता अभियान 24 जनवरी 2026 से 08 मार्च 2026 तक संचालित किया जाएगा। अभियान के अंतर्गत विभिन्न गाँवों, शहरी बस्तियों, स्कूलों, पंचायतों, आंगनबाड़ी केंद्रों एवं अन्य सामुदायिक स्थलों पर नुक्कड़ नाटक, संवाद सत्र, शपथ कार्यक्रम, परामर्श शिविर, आईईसी सामग्री का वितरण तथा जनसंवाद जैसी गतिविधियों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जाएगा। कार्यक्रम में उत्तराखंड बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष गीता खन्ना, समर्पण सोसाइटी के अध्यक्ष विपिन पंवार सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

बारिश-बर्फबारी और एवलांच अलर्ट पर सरकार सतर्क, अधिकारी 24×7 अलर्ट मोड में

पथ प्रवाह, देहरादून। सचिव आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास विनोद कुमार सुमन ने शनिवार को राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र से राज्य में वर्षा, बर्फबारी एवं कोहरे के चलते उत्पन्न स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को 24म7 अलर्ट मोड में रहते हुए जनसुविधाओं को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र सुचारू करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी स्वयं स्थिति पर निरंतर नजर बनाए हुए हैं और नियमित अपडेट ले रहे हैं।

समीक्षा के दौरान बंद मार्गों, बिजली एवं पेयजल आपूर्ति, तथा विभिन्न स्थानों पर वाहनों व व्यक्तियों के फंसे होने की घटनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। सचिव ने निर्देश दिए कि बर्फबारी से प्रभावित मार्गों को प्राथमिकता पर खोला जाए, मशीनरी एवं संसाधन पूरी तरह सक्रिय रहें और विद्युत व पेयजल आपूर्ति बहाल करने के लिए फील्ड टीमें तैनात रहें।

इसी बीच रक्षा भू-सूचना विज्ञान अनुसंधान प्रतिष्ठान (ष्ठतत्रश्च), चंडीगढ़ द्वारा जारी एवलांच चेतावनी बुलेटिन के अनुसार चमोली जनपद के 3000 मीटर से अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में हिमस्खलन खतरा स्तर-3 (ऑरेंज) जबकि उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, पिथौरागढ़ एवं बागेश्वर के उच्च क्षेत्रों में खतरा स्तर-2 (येलो) दर्शाया गया है। यह चेतावनी 24 जनवरी सायं 5 बजे से 25 जनवरी सायं 5 बजे तक प्रभावी रहेगी।

सचिव ने पर्वतीय क्षेत्रों में यात्रा करने वाले लोगों, पर्यटकों, ट्रेकर्स एवं स्थानीय निवासियों से अपील की है कि वे प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें, अनावश्यक यात्रा से बचें और किसी भी आपात स्थिति में जिला प्रशासन या राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र से संपर्क करें। राज्य सरकार स्थिति पर लगातार निगरानी बनाए हुए है।

जेल दिवस पर अधीक्षक ने दिया सुधार, आत्मनिर्भरता और पुनर्वास का संदेश

पथ प्रवाह, पौड़ी।

पौड़ी जनपद के खाण्डयूसैंण स्थित जिला कारागार में कल जेल दिवस का आयोजन सादगी एवं सकारात्मक वातावरण में किया गया। कार्यक्रम जेल अधीक्षक कौशल कुमार की उपस्थिति में संपन्न हुआ। जेल दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में जेल अधीक्षक ने कहा कि जेल दिवस केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं है, बल्कि यह आत्मचिंतन, सुधार और नए संकल्प का दिन है। जेल को केवल दंड का स्थान न मानकर सुधार, आत्मबोध एवं नए जीवन की शुरुआत का केंद्र बनाया जाना चाहिए, और यही जेल दिवस मनाने का वास्तविक उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि भविष्य मे बंदियों मे कौशल विकसित करने के लिए कारागार में बेकरी यूनिट की स्थापना, लॉन्ड्री (धुलाई) यूनिट की स्थापना प्रस्तावित की जाएगी ताकि बंदी रिहाई के बाद स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ सकें। इस अवसर पर दौरान बंदियों के पुनर्वास एवं आत्मनिर्भरता को ध्यान में रखते हुए भविष्य की योजनाओं पर भी विचार व्यक्त किया गया। जेल दिवस के अवसर पर बंदियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गयी, जिसमें महिला बंदियों ने गीत गाकर अपनी प्रतिभा का

प्रदर्शन किया। इसके अलावा विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया। खेल प्रतियोगिताओं में कैरम में लोकेंद्र थापा एवं रवि, लूडो में पारितोष कुमार एवं मोहम्मद इरफान तथा शतरंज प्रतियोगिता में अजय उर्फ अज्जू ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त वॉलीबॉल एवं रस्साकशी प्रतियोगिताओं में बंदियों ने समूहों में भाग लेकर उत्साहपूर्वक प्रदर्शन किया। खेलों में विजेता बंदियों को उनके दैनिक उपयोग में आने वाली सामग्री पुरस्कार स्वरूप प्रदान की गयी, जिसमें प्रथम पुरस्कार के रूप में बाल्टी, द्वितीय पुरस्कार के रूप में टिफिन तथा तृतीय पुरस्कार के रूप में पानी की बोतल प्रदान की गयी। कार्यक्रम के अंतर्गत एक मानवीय पहल के रूप में 'लेटर टू फैमिली' अभियान भी चलाया गया, जिसके तहत ऐसे बंदियों ने अपने परिजनों को पत्र लिखे, जिनकी नियमित मुलाकात नहीं हो पाती है। इस पहल का उद्देश्य बंदियों को भावनात्मक संबल प्रदान करना तथा पारिवारिक संबंधों को सुदृढ़ बनाना है। जेल दिवस का समापन सुधार, सकारात्मक सोच एवं पुनर्वास के संदेश के साथ किया गया।

253 युवाओं के हाथों में नियुक्ति पत्र, विकसित भारत के संकल्प को मिली नई ऊर्जा

पथ प्रवाह, देहरादून।

भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल (आईटीबीपी) के सीमा द्वार कैंप, देहरादून में शनिवार को रोज़गार मेला 2026 का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें 253 चयनित युवाओं को नियुक्ति पत्र सौंपे गए। कार्यक्रम में केंद्रीय राज्य मंत्री, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय अजय टम्टा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

इस अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री अजय टम्टा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश विकसित भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहा है। इसी लक्ष्य के तहत देशभर के विभिन्न राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों में एक साथ 45 केंद्रों पर रोजगार मेलों का आयोजन किया गया, जहां कुल 61 हजार युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। उन्होंने कहा कि युवाओं को रोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से इस अभियान की शुरुआत की गई है, जिसमें चयनित युवाओं को पहले प्रशिक्षण दिया जाएगा, उसके बाद उनकी तैनाती सुनिश्चित की जाएगी। रोजगार मेले के माध्यम से भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल के सीमाद्वार कैंप में विभिन्न केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों एवं प्रतिष्ठित संस्थानों–भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल, सीमा सुरक्षा बल, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, सशस्त्र सीमा बल, असम राइफल्स, डीएफएस, एफएसआई, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (ऋषिकेश) तथा इसरो–में चयनित 253 युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए।

इससे पूर्व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्चुअल माध्यम से नवनियुक्त युवाओं को शुभकामनाएं एवं बधाई संदेश देकर उनका उत्साह बढ़ाया। कार्यक्रम के समापन पर केंद्रीय राज्य मंत्री अजय टम्टा ने नवनियुक्त युवाओं की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के अथक प्रयासों और प्रभावी नीतियों के चलते विभिन्न विभागों में तेजी से कार्य हो रहा है, जिससे रोजगार मेलों जैसी पहल के माध्यम से युवाओं को सरकारी सेवाओं में अवसर प्राप्त हो रहे हैं।

कार्यक्रम में सविता कपूर, विधायक गढ़ी कैंट देहरादून, मनु महाराज, भारतीय पुलिस सेवा, महानिरीक्षक उत्तरी सीमांत मुख्यालय (देहरादून), आनंद सिंह यर्सो (कार्मिक एवं प्रशासन), बरिंदरजीत सिंह, भारतीय पुलिस सेवा, उत्तरी सीमांत मुख्यालय, परमिंदर सिंह, उप महानिरीक्षक, क्षेत्रीय मुख्यालय (देहरादून), रिंकू थापा, सेनानी 23वीं वाहिनी सहित बड़ी संख्या में अधिकारीगण एवं नव नियुक्त युवा उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कैंचीधाम बाईपास मार्ग का किया निरीक्षण: सख्त निर्देश

पथ प्रवाह, नैनीताल।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के दूरदर्शी नेतृत्व और प्रभावी प्रशासनिक निर्णयों के परिणामस्वरूप नैनीताल जनपद की बहुप्रतीक्षित कैंचीधाम बाईपास (सैनिटोरियम-रातीघाट) परियोजना तेज़ी से अपने निर्णायक चरण की ओर बढ़ रही है। शनिवार को नैनीताल भ्रमण के दौरान मुख्यमंत्री ने इस महत्वपूर्ण परियोजना का स्थलीय निरीक्षण कर निर्माण कार्यों की प्रगति की गहन समीक्षा की।

निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों से कार्यों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की और स्पष्ट निर्देश दिए कि आगामी यात्रा एवं पर्यटन सीजन से पूर्व बाईपास मार्ग को हर हाल में पूर्ण कर यातायात के लिए खोलना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने गुणवत्ता, सुरक्षा मानकों और समयबद्धता पर विशेष जोर दिया।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि विश्व प्रसिद्ध कैंचीधाम मंदिर में देश-विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं। श्रद्धालुओं को सुचारु, सुरक्षित और सुविधाजनक यातायात व्यवस्था उपलब्ध कराना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य से कैंचीधाम बाईपास का निर्माण प्राथमिकता के आधार पर कराया जा रहा है, जिससे वर्षों से चली आ रही ट्रैफिक जाम की समस्या का स्थायी समाधान संभव हो सकेगा। लोक निर्माण विभाग के अधीक्षण अभियंता मनोहर सिंह धर्मशक्तू ने जानकारी दी कि 18.15 किलोमीटर लंबे प्रस्तावित बाईपास मार्ग में से 8 किलोमीटर सड़क निर्माण कार्य पूर्ण कर हॉटमिक्स किया जा चुका है, जिस पर लगभग 12 करोड़ रुपये की धनराशि व्यय की गई है। शेष 10.15 किलोमीटर मार्ग में पहाड़ कटिंग कार्य हेतु प्राप्त 5 करोड़ 6 लाख रुपये की धनराशि से कार्य पूर्ण किया जा चुका है। वर्तमान में इस खंड में 9 करोड़ 81 लाख रुपये की लागत से कलमठ निर्माण, सुरक्षा दीवारों का निर्माण एवं अन्य आवश्यक कार्य तीव्र गति और उच्च गुणवत्ता के साथ प्रगति पर हैं। परियोजना के अंतर्गत बाईपास को रातीघाट स्थित अल्मोड़ा राष्ट्रीय राजमार्ग से जोड़ने के लिए 74.15 मीटर स्पान का मोटर पुल भी निर्मित किया जा रहा है। इसके लिए शासन से 9 करोड़ 63 लाख रुपये की स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है और पुल निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस बाईपास के पूर्ण होने से न केवल कैंचीधाम में लगने वाले जाम से निजात मिलेगी, बल्कि पहाड़ी जनपदों की ओर जाने वाले यात्रियों को भी एक वैकल्पिक, सुरक्षित और सुगम मार्ग उपलब्ध होगा। यह परियोजना पर्यटन, धार्मिक यात्रा और स्थानीय आवागमन–तीनों दृष्टियों से मील का पत्थर साबित होगी।

इसके उपरांत मुख्यमंत्री ने 9 करोड़ 99 लाख रुपये की लागत से निर्मित सैनिटोरियम से अल्मोड़ा मार्ग तक भवाली बाईपास सड़क तथा इसी मार्ग पर शिप्रा नदी पर निर्मित 30 मीटर स्पान के डबल लेन मोटर पुल का भी निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस बाईपास के चालू होने से भवाली बाजार में वर्षों से चली आ रही ट्रैफिक जाम की समस्या का स्थायी समाधान होगा और पर्यटन सीजन के दौरान यात्रियों को निर्बाध आवागमन की सुविधा मिलेगी।

निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने निर्माण कार्य में लगे श्रमिकों से संवाद कर उनके कार्यों की सराहना की और उनके कल्याण एवं सुरक्षा के संबंध में आवश्यक निर्देश भी दिए।

क्षेत्र भ्रमण के दौरान मुख्यमंत्री ने बर्फबारी देखने पहुंचे देश के विभिन्न राज्यों से आए पर्यटकों से भी बातचीत की। पर्यटकों ने उत्तराखंड की प्राकृतिक सुंदरता, बेहतर व्यवस्थाओं और सुरक्षित वातावरण की सराहना करते हुए कहा कि उन्हें यहां किसी प्रकार की असुविधा नहीं हुई और वे भविष्य में भी उत्तराखंड आना पसंद करेंगे।

51 दिवसीय अनुष्ठान ने पूरी मानवता को साधना, सेवा और समन्वय का संदेश: राज्यपाल

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने शनिवार को हरिद्वार में शांतिकुंज द्वारा आयोजित अखंड ज्योति शताब्दी समारोह के समापन में बतौर मुख्य अतिथि प्रतिभाग किया। इस कार्यक्रम में केन्द्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान भी विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि यह मात्र एक आयोजन ही नहीं बल्कि युग परिवर्तन का शुभारंभ है। उन्होंने कहा कि भले ही इसे समापन समारोह कहा जा रहा हो, किंतु वास्तव में यह एक नए युग का शुभारंभ है। यह युग चेतना का महाकुंभ है, जिसने व्यक्ति निर्माण, समाज निर्माण और राष्ट्र निर्माण की नई यात्रा को गति दी है।

उन्होंने कहा कि यह ऐतिहासिक क्षण अपने आप में अद्वितीय है और सेवा, समर्पण, साधना एवं प्रज्ञा का वह संदेश देता है, जो संपूर्ण मानवता के लिए प्रेरणास्रोत है। राज्यपाल ने कहा कि इस 51 दिवसीय अनुष्ठान ने पूरी मानवता को साधना, सेवा और समन्वय का

संदेश दिया है। यह केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि आत्मिक एवं नैतिक पुनर्निर्माण का संकल्प है, जिसे प्रत्येक नागरिक को अपने जीवन में आत्मसात करना होगा। राज्यपाल ने कहा कि गायत्री परिवार ने विश्वभर में सेवा और संस्कार का जो विशाल कार्य किया है, वह युग परिवर्तन की दिशा में एक सशक्त आधार बन चुका है।

राज्यपाल ने शांतिकुंज को केवल आश्रम नहीं, बल्कि युगतीर्थ और आध्यात्मिक प्रयोगशाला बताते हुए कहा कि यहाँ साधना, प्रशिक्षण और सेवा के माध्यम से श्रेष्ठ नागरिक और श्रेष्ठ मानव का निर्माण होता है। उन्होंने वर्तमान नेतृत्व में हो रहे कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि गुरुदेव की विचारधारा को समकालीन संदर्भों से जोड़कर आगे बढ़ाया जा रहा है। केन्द्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि गायत्री परिवार कोई साधारण संस्था नहीं है, बल्कि यह संस्कृति की सरिता, संस्कारों का सागर और अध्यात्म की आलौकिक आभा है, जो संपूर्ण विश्व को सनातन मूल्यों का दिग्दर्शन करा रही है। उन्होंने कहा कि अखंड ज्योति साधारण प्रकाश नहीं है, बल्कि यह ऐसी ज्योति है जो बाहर से अधिक भीतर प्रकाशित होती है। यह बुद्धि को विवेक से, कर्म को धर्म से तथा जीवात्मा को परमात्मा से जोड़ने का कार्य करती है। उन्होंने कहा कि यह ज्योति निरंतर प्रज्वलित है। शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि संपूर्ण विश्व अशांति, अनिश्चितता और संघर्ष के दौर से गुजर रहा है। व्यापार को हथियार बनाया जा रहा है और शक्ति के बल पर वर्चस्व स्थापित करने की प्रवृत्तियाँ बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में भारतीय संस्कृति, सनातन मूल्य और गायत्री परिवार ही विश्व को शांति और सद्भाव की दिशा में ले जाने में सक्षम हैं।

समारोह के दलनायक डॉ चिन्मय पण्ड्या ने इस अवसर को 'सौभाग्य की त्रिवेणी' बताते हुए माननीय राज्यपाल के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की तथा समस्त गायत्री साधकों का आभार प्रकट किया। दलनायक डॉ. पण्ड्या ने कहा कि आज आध्यात्मिकता को सोशल मीडिया के 'लाइक्स' से आँका जा रहा है, जबकि सच्ची साधना चमत्कार नहीं, परिष्कार का मार्ग है। गुरु अनेक मिल सकते हैं, पर पिता समान गुरु, वर्षों की प्रतीक्षा के बाद मिलते हैं। उन्होंने कहा कि प्रकाश के लिए आँखें खोलनी पड़ती हैं और जिसने भगवान को दिया है, वह कभी खाली हाथ नहीं रहता। अंत में उन्होंने जीवन में ग्रहणशीलता विकसित करने का आह्वान करते हुए साधना और सेवा को सार्थक बनाने का संदेश दिया।

इस अवसर पर राज्य मंत्री विनय रोहिला, दुर्गा शंकर मिश्रा,जिलाधिकारी मयूर दीक्षित, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेंद्र सिंह डोभाल, अपर जिलाधिकारी पी आर चौहान सहित विभिन्न देशों एवं प्रदेशों से आए शांतिकुंज के अनुयाई मौजूद रहे।

जिलाधिकारी स्वाति एस भदौरिया ने किया मतदाताओं को जागरुक, बालिकाओं को किया सम्मानित

पथ प्रवाह, पौड़ी।

जनपद में 16वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस की पूर्व संध्या पर जिला प्रशासन द्वारा भव्य जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। साथ ही बालिका दिवस के अवसर पर बालिकाओं को सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम में जिलाधिकारी स्वाति एस भदौरिया द्वारा उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों एवं नागरिकों को मतदाता शपथ दिलायी गयी।

इस अवसर पर प्रथम बार मतदाता के रूप में पंजीकृत सेंट थॉमस स्कूल के छात्र प्रतीक रावत को मतदाता पहचान पत्र प्रदान किया गया। सहायक निर्वाचन अधिकारी शांति लाल शाह ने जानकारी दी कि जिन आवेदकों ने मतदाता सूची से संबंधित आवेदन किए हैं, उन्हें बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) के माध्यम से घर-घर मतदाता पहचान पत्र वितरित किए जाएंगे।

मतदाता जागरुकता अभियान के अंतर्गत बी.आर. मॉडर्न स्कूल की छात्राओं द्वारा मतदान के महत्व को दर्शाते हुए प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किए गए, जिन्हें उपस्थित जनसमूह द्वारा सराहा गया। जिलाधिकारी ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य करने पर बीएलओ अनिल कुमार को सम्मानित किया गया।

इसी क्रम में राष्ट्रीय बालिका दिवस के

अवसर पर कार्यक्रम में उपस्थित बालिकाओं को सम्मानित किया गया। बालिका दिवस की शपथ बी.आर. मॉडर्न स्कूल की छात्रा अनुप्रिया खर्कवाल द्वारा दिलायी गयी। साथ ही जिलाधिकारी द्वारा बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान के अंतर्गत 'घौर कु पछ्यांण, नौनी कु नौ' थीम पर आधारित नाम पट्टिका वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। बालिकाएं जिलाधिकारी से संवाद कर अत्यंत उत्साहित नज़र आईं।

मतदाता जागरूकता के प्रयास निरंतर जरूरी: जिलाधिकारी

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया ने कहा कि मतदाता जागरुकता के लिए निरंतर प्रयास अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि आमतौर पर चुनाव के समय मतदाता सूची में नाम जोड़ने, संशोधन एवं पता परिवर्तन जैसी प्रक्रियाओं का व्यापक प्रचार होता है, किंतु शेष अवधि में इन महत्वपूर्ण कार्यों के प्रति जागरुकता कम हो जाती है, जिसके कारण चुनाव के दिन नागरिकों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

उन्होंने ज़ोर देते हुए कहा कि मतदाता जागरुकता कार्यक्रम वर्ष भर निरंतर चलते रहने चाहिए, जिससे नागरिक सदैव जागरुक बने रहें। बच्चों द्वारा मतदाता जागरुकता को लेकर किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए उन्होंने बताया कि प्रारंभिक अवस्था में जागरुकता लाने हेतु विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं तथा बच्चों के माध्यम से अभिभावकों को पोस्टकार्ड लिखवाकर संदेश घर-घर तक पहुंचाया जाता है।

बालिका समाज की धुरी

राष्ट्रीय बालिका दिवस के संबंध में जिलाधिकारी ने कहा कि बालिकाएं समाज की धुरी हैं और उनके सम्मान, शिक्षा एवं सुरक्षा से ही सशक्त समाज का निर्माण संभव है। उन्होंने कहा कि बालिकाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए शासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र बालिका तक पहुंचाया जा रहा है। जिलाधिकारी ने अभिभावकों से आह्वान किया कि वे बेटियों को समान अवसर प्रदान करें तथा उनकी शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। उन्होंने कहा कि जब बालिकाएं आगे बढ़ती हैं, तभी परिवार, समाज और राष्ट्र प्रगति की दिशा में सशक्त रूप से अग्रसर होता है।

प्राची ने प्राप्त किया प्रथम स्थान

राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर जनपद स्तरीय प्रतियोगिताओं के अंतर्गत चित्रकला प्रतियोगिता में राजकीय बालिका इंटर कॉलेज पैडुल की छात्रा प्राची ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। द्वितीय स्थान राजकीय इंटर कॉलेज बग्याली की छात्रा तमन्ना नेगी को तथा तृतीय स्थान राजकीय इंटर कॉलेज द्वारीखाल की छात्रा श्रीयांशी को प्राप्त हुआ। निबंध प्रतियोगिता में राजकीय इंटर कॉलेज नवाखाल की छात्रा गायत्री रावत ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। द्वितीय स्थान राजकीय बालिका इंटर कॉलेज पैडुल की छात्रा स्वर्णिका तथा तृतीय स्थान राजकीय इंटर कॉलेज निसणी की छात्रा प्रिया को मिला। इसी क्रम में स्लोगन प्रतियोगिता में राजकीय बालिका इंटर कॉलेज पैडुल की छात्रा मीनाक्षी रावत ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। द्वितीय स्थान राजकीय बालिका इंटर कॉलेज थलनदी की छात्रा मानसी को जबकि तृतीय स्थान राजकीय इंटर कॉलेज दोमटखाल की छात्रा अर्पिता को प्राप्त हुआ।

मतदाता जागरूकता की दिलायी शपथ

मतदाता दिवस के अवसर पर जनपद के विभिन्न कार्यालयों में भी मतदाता जागरुकता की शपथ दिलायी गयी। जिला कार्यालय में कार्यक्रम का संचालन रेडक्रॉस के जिला सचिव केसर सिंह असवाल ने किया। कार्यक्रम में जिला शिक्षाधिकारी रणजीत सिंह नेगी, जिला खेल समन्वयक योगंबर नेगी, जिला कार्यक्रम अधिकारी देवेंद्र थपलियाल, सीडीपीओ आशा रावत, एनआईसी डीआईओ मयंक शर्मा, एडीआईओ हेमंत काला सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारी, स्थानीय जनता तथा स्कूली बच्चे उपस्थित रहे।

वन भूमि हस्तांतरण प्रकरणों पर अधिकारी व्यक्तिगत ध्यान दें: जिलाधिकारी अंशुल सिंह

पथ प्रवाह, अल्मोड़ा।

जिलाधिकारी अंशुल सिंह ने कहा कि जनहित से जुड़े विकास कार्यों के लिए प्रस्तावित वन भूमि हस्तांतरण प्रकरणों पर संबंधित अधिकारी व्यक्तिगत ध्यान दें, ताकि किसी भी स्तर पर अनावश्यक विलंब न हो। उन्होंने स्पष्ट किया कि समयबद्ध और समन्वित कार्रवाई से ही विकास योजनाओं को गति दी जा सकती है।

जिलाधिकारी अंशुल सिंह की अध्यक्षता में शनिवार को जिलाधिकारी कैंप कार्यालय में वन भूमि हस्तांतरण से संबंधित प्रकरणों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों के लंबित एवं प्रगतिरत वन भूमि हस्तांतरण प्रस्तावों की बिंदुवार समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को

निर्देश दिए कि सभी औपचारिकताएं निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण की जाएं और विभागीय समन्वय में किसी भी प्रकार की कमी न रहे। उन्होंने कहा कि वन संरक्षण अधिनियम के प्रावधानों का पूरी तरह अनुपालन सुनिश्चित करते हुए प्रस्तावों को शीघ्र शासन स्तर तक प्रेषित किया जाए। जिन प्रकरणों में आपत्तियां अथवा तकनीकी कमियां हैं, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर दूर करने के निर्देश भी जिलाधिकारी ने दिए।

जिलाधिकारी ने कार्यदाई संस्थाओं के अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसी भी प्रस्ताव को पोर्टल पर अपलोड करने से पूर्व वन विभाग के साथ संयुक्त रूप से उसका आंकलन कर लिया जाए, ताकि संभावित आपत्तियों का समाधान पहले ही किया जा सके और बाद में प्रक्रिया बाधित न हो।

बैठक में प्रभागीय वनाधिकारी दीपक सिंह, प्रदीप धौलाखंडी, मुख्य विकास अधिकारी रामजी शरण शर्मा सहित विभिन्न संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

वनाग्नि रोकथाम में कोई लापरवाही नहीं होगी: जिलाधिकारी अंशुल सिंह

पथ प्रवाह, अल्मोड़ा।

जिलाधिकारी अंशुल सिंह ने कहा कि आगामी दिनों में वनाग्नि की संभावनाओं को देखते हुए रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए सभी संबंधित विभाग पूरी सतर्कता और आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। वनाग्नि की घटनाओं से पर्यावरण, वन्यजीव एवं जनधन को होने वाले नुकसान को रोकना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

जिलाधिकारी अंशुल सिंह की अध्यक्षता में शनिवार को जिलाधिकारी कैंप कार्यालय में जनपद स्तरीय वनाग्नि रोकथाम एवं नियंत्रण को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में वन विभाग

सहित सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों ने प्रतिभाग किया। इस दौरान जिलाधिकारी ने वनाग्नि से निपटने हेतु की जा रही तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए।

बैठक में प्रभागीय वनाधिकारी ने जानकारी दी कि जनपद अल्मोड़ा में प्रत्येक वर्ष 15 फरवरी से 15 जून की अवधि को वनाग्नि की दृष्टि से अत्यंत संवेदनशील माना जाता है। इस अवधि में आग की घटनाओं की रोकथाम के लिए सभी विभागों को अलर्ट मोड में रहकर कार्य करने की आवश्यकता है। जिलाधिकारी अंशुल सिंह ने वन विभाग को फायर लाइन निर्माण, संवेदनशील क्षेत्रों की नियमित निगरानी, फायर वॉचरों की तैनाती तथा आवश्यक अग्निशमन उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाने, ग्राम स्तरीय वनाग्नि प्रबंधन समितियों को सक्रिय करने तथा किसी भी घटना की त्वरित सूचना एवं तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि वनाग्नि काल से पूर्व ही प्रतिकूल परिस्थितियों से निपटने के लिए आवश्यक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर लिए जाएं। साथ ही उन्होंने स्पष्ट कहा कि वनाग्नि की घटनाओं में संलिप्त पाए जाने वाले अराजक तत्वों के विरुद्ध कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

बैठक में प्रभागीय वनाधिकारी दीपक सिंह, प्रदीप धौलाखंडी, मुख्य विकास अधिकारी रामजी शरण शर्मा, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी विनीत पाल सहित अन्य संबंधित अधिकारी तथा वर्चुअली सभी उपजिलाधिकारी उपस्थित रहे।

क्रॉस कन्ट्री दौड़ में खूब दौड़े बालक और बालिका, जिलाधिकारी करेंगे सम्मानित

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

खेल निदेशालय उत्तराखण्ड देहरादून एवं जिला प्रशासन हरिद्वार के मार्गदर्शन एवं जिला खेल कार्यालय के तत्वावधान में गणतन्त्र दिवस के उपलक्ष्य में 24 जनवरी को विभिन्न आयु वर्गो में बालक एवं बालिकाओं की क्रॉस कन्ट्री दौड का आयोजन किया गया। क्रास कन्ट्री दौड प्रातः 8:00 बजे योगस्थली खेल परिसर रोशनाबाद हरिद्वार से प्रारम्भ होकर कचहरी चौक से वापस योगस्थली खेल परिसर रोशनाबाद हरिद्वार में समाप्त की गयी। प्रतियोगिता का शुभारम्भ शबाली गुरुंग, जिला क्रीडा अधिकारी हरिद्वार द्वारा हरी झण्डी दिखाकर किया गया। प्रतियोगिता में स्थान प्राप्त करने वाले खिलाडियों को 26 जनवरी, 2026 (गणतन्त्र दिवस) को जिला कार्यालय हरिद्वार में जिलाधिकारी महोदय द्वारा पुरस्कार वितरण किया जायेगा। इस अवसर पर प्रदीप कुमार उप क्रीडा अधिकारी, प्रजापति कुकरेती मुख्य प्रशासनिक अधिकारी, विक्रम सिंह कनिष्ठ सहायक, अनुराग राठी सहायक प्रशिक्षक, शिक्षा बिष्ट सहायक प्रशिक्षक, मंगल सिह, अनुराग सिंह धमान्दा, राजन राणा, अक्षत कुकरेती, सोहनवीर सिंह, आदित्य गुप्ता, अक्षय राठी, गौरव लौहान, शुभम बोहरा, नवीन चौहान, अभिषेक मुरारी, शिवानी नैथानी एवं अनेक खेल प्रेमी उपस्थित रहे।

प्रतियोगिता के परिणाम निम्न प्रकार रहे-

12 वर्षीय बालक वर्ग-
प्रथम- कुश
द्वितीय- हरिओम
तृतीय- मोक्ष
चतुर्थ- हर्षवर्धन
पंचम- दिक्षान्त

12 वर्षीय बालिका वर्ग-
प्रथम- ज्ञानदा
द्वितीय- निधि शर्मा

16 वर्षीय बालक वर्ग-
प्रथम- नीरज
द्वितीय-अबूजर
तृतीय-करण (त्तिबतिया)
चतुर्थ-अंश
पंचम- साहिल

16 वर्षीय बालिका वर्ग-
प्रथम- नेहा
द्वितीय- कार्तिका
तृतीय- काजल
चतुर्थ -भावना नेगी
पंचम-सिमरन

ओपन पुरुष वर्ग-
प्रथम- सागर पाल
द्वितीय-प्रभु
तृतीय- यश
चतुर्थ- हिमाँशु
पंचम- शेर अली

ओपन महिला वर्ग-
प्रथम- ज्योति
द्वितीय- रिया
तृतीय- दिया
चतुर्थ- पायल
पंचम- श्रद्धा

वरिष्ठ खिलाडी-
प्रथम-नीलम रावत
द्वितीय-लक्ष्मी नैथानी

डीएम अंशुल सिंह के निर्देशों पर 26 जनवरी से एक माह का विशेष स्वच्छता अभियान

पथ प्रवाह, अल्मोड़ा

जिलाधिकारी अंशुल सिंह ने जनपद में स्वच्छता अभियान की मुहिम शुरू करने के निर्देश जारी किए। उन्होंने बताया कि शासन के निर्देशों के क्रम में अल्मोड़ा जनपद में 26 जनवरी 2026 से 24 फरवरी 2026 तक एक माह का विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। यह अभियान शहरी एवं ग्रामीण, दोनों क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर संचालित किया जाएगा।

जिलाधिकारी अंशुल सिंह ने बताया कि विशेष स्वच्छता अभियान के प्रभावी संचालन हेतु परियोजना निदेशक, जिला ग्राम्य विकास अभिकरण के.एन. तिवारी को नोडल अधिकारी नामित किया गया है। उन्होंने नोडल अधिकारी को निर्देशित किया है कि गणतंत्र दिवस 2026 के अवसर पर स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत जिला एवं ब्लॉक स्तर पर समस्त शासकीय एवं अशासकीय शिक्षण

संस्थानों, कार्यालयों, नगर निगम, नगर पालिका, नगर पंचायत, क्षेत्र पंचायत, ग्राम पंचायत तथा छावनी परिषद क्षेत्रों में विशेष सफाई अभियान सुनिश्चित किया जाए।

अभियान के दौरान कराई जाने वाली स्वच्छता गतिविधियों की फोटोग्राफी कराते हुए संबंधित अभिलेख इस कार्यालय को उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए गए हैं, ताकि अभियान की प्रगति का दस्तावेजीकरण किया जा सके।

जिलाधिकारी ने आगे बताया कि शहरी विकास विभाग, पंचायती राज विभाग एवं ग्राम्य विकास विभाग के अंतर्गत आने वाले नगर निगम, नगर पालिका, नगर पंचायत, ग्राम पंचायत, क्षेत्र पंचायत, छावनी परिषद एवं जिला पंचायत क्षेत्रों में यह विशेष सफाई अभियान संबंधित नगर आयुक्त, अधिशासी अधिकारी, उप जिलाधिकारी, मुख्य अधिशासी अधिकारी, अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत, जिला पंचायत राज अधिकारी तथा परियोजना प्रबंधक स्वजल की जिम्मेदारी में संचालित किया जाएगा।

उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों से अपेक्षा की कि स्वच्छता अभियान को जनसहभागिता के साथ गंभीरता से लागू किया जाए, ताकि जनपद को स्वच्छ, सुंदर और स्वस्थ बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाए जा सकें।

कनाडा को खा जायेगा चीन : ट्रंप

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ग्रीनलैंड पर 'गोल्डन डोम' बनाने का प्रस्ताव ठुकराने के लिये कनाडा की आलोचना करते हुए कहा है कि चीन उनके देश को 'खा सकता' है। ट्रंप ने शनिवार को ट्रुथ सोशल पर साझा किये गये एक पोस्ट में कहा, 'कनाडा ग्रीनलैंड पर गोल्डन डोम बनाने का विरोध कर रहा है, हालांकि यह कनाडा की रक्षा करेगा। इसके बजाय, उन्होंने चीन के साथ व्यापार करने का फैसला किया है जो उन्हें पहले ही साल में खा जायेगा। ट्रंप का यह बयान ऐसे समय में आया है जब अमेरिका और कनाडा

के बीच तनाव बढ़ता ही जा रहा है। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) में अपने भाषण में कहा था कि 'नियम-आधारित व्यवस्था' लुप्त होती जा रही है। उन्होंने यहां चीन के साथ सात अरब डॉलर के एक व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किये थे, जिसमें चीन की इलेक्ट्रिक गाड़ियों पर टैरिफ हटाना भी शामिल था। इस बीच, श्री ट्रंप ने दावोस में अपने भाषण के दौरान कहा था, 'कनाडा अमेरिका की वजह से जिंदा है। यह याद रखना, मार्क, अगली बार जब तुम बयान दो।' उन्होंने यह भी कहा था कि कनाडा को अमेरिका से 'बहुत सारी मुफ्त चीज़ें' मिलती हैं और उन्हें अमेरिकी सुरक्षा सुरक्षा के लिये 'शुक्रगुजार होना चाहिए।

एक नजर

जिलाधिकारी ने तांबाखानी टनल के निकट चल रहे कूड़ा उठान कार्य का किया औचक निरीक्षण

निर्धारित समयसीमा में कूड़ा निस्तारण पूर्ण करने के निर्देश : डीएम

पथ प्रवाह, उत्तरकाशी। जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने शनिवार देर सायं नगर पालिका परिषद बाड़ाहाट क्षेत्र के अंतर्गत तांबाखानी टनल के समीप चल रहे कूड़ा उठान एवं निस्तारण कार्य का औचक निरीक्षण कर मौके पर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को कूड़ा निस्तारण कार्य में तेज़ी लाने तथा इसे निर्धारित समयसीमा के भीतर पूर्ण करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि कूड़े के समय पर निस्तारण से क्षेत्र में दुर्गंध, गंदगी एवं प्रदूषण की समस्या से बचा जा सकेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि स्वच्छता मानकों के पालन में किसी भी प्रकार की लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने लीगेसी वेस्ट के प्रबंधन एवं उसकी रिसाइक्लिंग प्रक्रिया की भी समीक्षा की। उन्होंने कार्यदायी संस्था वेस्ट मैनेजमेंट कंपनी एमएसटी कंस्ट्रक्शन को मशीनों एवं कार्मिकों की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए। साथ ही आसपास के क्षेत्रों में नियमित रूप से फॉगिंग एवं कीटनाशक छिड़काव सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए, ताकि जनस्वास्थ्य पर किसी प्रकार का प्रतिकूल प्रभाव न पड़े। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि कूड़ा निस्तारण कार्य की सतत निगरानी की जाए और प्रगति रिपोर्ट नियमित रूप से प्रस्तुत की जाए।

पैठाणी में लगे शिविर में 69 लाभार्थियों को मिला सीधा लाभ

पथ प्रवाह, पौड़ी। जन-जन की सरकार जन-जन के द्वार अभियान के तहत विकासखंड थलीसैंण की न्याय पंचायत पैठाणी में बहुउद्देश्यीय शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा आम जनता की समस्याएं सुनी गयी और त्वरित निस्तारण की दिशा में कार्रवाई की गयी। शिविर के दौरान कुल 32 शिकायतें दर्ज हुई, जबकि 69 लोगों को विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ प्रदान किया गया। वहीं 482 लोगों ने शिविर में प्रतिभाग किया।

शिविर की अध्यक्षता पीडी डीआरडीए विवेक कुमार उपाध्याय ने की। उन्होंने कहा कि सरकार की इस पहल से ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को योजनाओं का लाभ उनके द्वार तक पहुंच रहा है। जन-जन की सरकार जन-जन के द्वार अभियान के जनपद के सभी न्याय पंचायतों में शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने स्थानीय लोगों की समस्याएं सुनते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को शिकायतों के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने शिविर में लगाए गए विभिन्न विभागों के स्टॉलों का निरीक्षण भी किया और अधिकारियों से योजनाओं की प्रगति व लाभार्थियों को दी जा रही सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि ऐसे शिविर ग्रामीण जनता और प्रशासन के बीच सीधा संवाद स्थापित करने का सशक्त माध्यम हैं, जिससे समस्याओं का समाधान मौके पर ही संभव हो पा रहा है। शिविर में स्वास्थ्य विभाग, समाज कल्याण विभाग, बाल विकास विभाग, वन विभाग, राजस्व विभाग, आयुर्वेदिक एवं यूनानी विभाग, खाद्य पूर्ति विभाग सहित कुल 23 विभागों के स्टॉल लगाए गए थे, जहां लोगों ने बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया। इस अवसर पर नोडल अधिकारी शिविर एवं जिला ग्रामोद्योग अधिकारी अल्का पांडे, चिकित्साधिकारी डॉ. अंकित, तहसीलदार दीवान सिंह राणा, ग्राम विकास अधिकारी नारायण सिंह बुटोला, घनश्याम भंडारी, बिजेंद्रपाल, कानूनगो बिजेंद्र गुसाईं सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण मौजूद रहे।

कैबिनेट मंत्री ने पेश की मानवता की मिसाल, सड़क पर घायल को देख रूकवाया अपना काफिला

पथ प्रवाह, पौड़ी।

कभी-कभी सत्ता नहीं, संवेदना सुर्खियां बनती है। ऐसा ही दृश्य शनिवार को उस समय देखने को मिला, जब उत्तराखंड के स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने सड़क पर एक घायल को देखकर अपना काफिला रूकवा दिया। कैबिनेट मंत्री देहरादून से श्रीनगर (गढ़वाल) कार्यक्रम के लिए प्रस्थान कर रहे थे।

जानकारी के अनुसार ऋषिकेश कौड़ियाला मार्ग पर सिंगटाली के समीप चलते काफिले के दौरान मंत्री की नजर सड़क पर हुए एक हादसे पर पड़ी, जहां तेज रफ्तार दो पहिया वाहन सवार युवक वाहन से नियंत्रण खोकर सड़क किनारे पत्थर से टकराकर घायल हो गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए डॉ. धन सिंह रावत ने तत्काल अपना काफिला रुकवाया और स्वयं घायल युवक से बातचीत कर उसका हाल-चाल जाना। प्राथमिक रूप से युवक की स्थिति सामान्य पाई गई। सतर्कता के दृष्टिगत स्वास्थ्य मंत्री ने एहतियातन स्वयं फोन कर एंबुलेंस सेवा को सूचना दी, किंतु युवक ने अपनी स्थिति ठीक बताते हुए मंत्री का आभार व्यक्त किया और यह इच्छा जताई कि वह अपने साथी के साथ स्वयं ही उपचार के लिए अस्पताल जाना चाहता है। युवक द्वारा उपचार के लिए सुरक्षित रूप से रवाना होने की पुष्टि के बाद ही स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत श्रीनगर के लिए रवाना हुए।

400 वाहनों में लगाए गए रिफ्लेक्टर टेप

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत चलाए जा रहे अभियान के दौरान हरिद्वार पुलिस ने वाहनों पर रिफ्लेक्टर टेप लगाए। एसएसपी प्रमेंद्र सिंह डोबाल के आदेश पर हरिद्वार के विभिन्न चौक-चौराहों पर यातायात पुलिस और सीपीयू की टीम ने संयुक्त रूप से यह अभियान चलाया।

अभियान का उद्देश्य कोहरे के कारण होने वाली सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम रहा। इस दौरान यातायात पुलिस और सीपीयू कर्मियों द्वारा लगभग 400 वाहनों पर रिफ्लेक्टर लगाए गए। यातायात पुलिस द्वारा वाहन चालकों को सावधानीपूर्वक वाहन चलाने, रिफ्लेक्टर एवं लाइट का प्रयोग करने तथा यातायात नियमों का पालन करने के लिए भी जागरूक भी किया गया। इस दौरान वाहन चालकों से कहा गया कि वह किसी भी दशा में ओवर स्पीड वाहन न चलाए, साथ ही गलत दिशा से वाहन को ओवरटेक भी न करें। टीम ने कहाकि यातयात के नियमों का पालन करते हुए ही यात्रा को सुरक्षित बनाया जा सकता है।

बहुउद्देशीय शिविर में 1938 लोगों को योजनाओं से किया गया लाभान्वित

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

मुख्य विकास अधिकारी डॉ ललित नारायण मिश्र की अध्यक्षता में विकास खंड लक्सर के न्याय पंचायत मौ0पुर बुजुर्ग में जन-जन की सरकार जन-जन के द्वार अभियान के अंतर्गत बहुउद्देशीय शिविर आयोजन किया गया। बहुउद्देशीय शिविर में 1365 लोगों को विभिन्न विभागों से प्रमाण पत्र निर्गत किए गए तथा 1774 लोगों विभिन्न विभागों की संचालित जन कल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित किया गया। इस शिविर में 5370 लोगों ने प्रतिभाग किया। बहुउद्देशीय शिविर में कुल 102 शिकायतें प्राप्त हुई, जिनमें से 95 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया, जबकि शेष शिकायतों के निस्तारण हेतु संबंधित विभागों को आवश्यक आदेश जारी कर दिए गए। बहुउद्देशीय शिविर को संबोधित करते हुए राज्यमंत्री शोभाराम प्रजापति ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशानुसार प्रदेश की सभी न्याय पंचायतों में यह शिविर संचालित किया जा रहा है। बहुउद्देशीय शिविर का मुख्य उद्देश्य विभिन्न विभागों द्वारा संचालित जन-कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र नागरिकों तक पहुँचाना तथा उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करना है। मुख्य विकास अधिकारी डॉ ललित नारायण मिश्र ने सभी संबंधित अधिकारियों को क्षेत्रवासियों की समस्याओं का शीघ्रता से निस्तारण करने के निर्देश दिए। जिन शिकायतों का निस्तारित नहीं हो पाया है उन शिकायतों का तत्परता से निराकरण करना सुनाश्चित करने के लिए कहा। इस अवसर पर पूर्व विधायक संजय गुप्ता, जिला पंचायत सदस्य अंकुर, ज्येष्ठ प्रमुख रवींद्र, कनिष्ठ प्रमुख फरमान, खंड विकास अधिकारी लक्सर परवीन भट्ट सहित समस्त ग्राम प्रधानगण, पंचायत सदस्यगण,अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे।

लक्सर में 164 को मिला शिविर में योजनाओं का लाभ

उप जिलाधिकारी लक्सर सौरभ असवाल की अध्यक्षता में विकास खंड खानपुर के न्याय पंचायत पोडोवाली के राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पोडोवाली में शिविर में विभिन्न विभागों के माध्यम से संचालित जन कल्याणकारी योजनों से 164 क्षेत्रवासियों को लाभान्वित किया गया तथा विभिन्न विभागों के माध्यम से 285 लोगों को विभिन्न प्रमाण पत्र निर्गत किए गए। इस शिविर में 2520 लोगों द्वारा किया गया प्रतिभाग।

शिविर ने क्षेत्रवासियों द्वारा विभिन्न विभागों से संबंधित 26 समस्याएं दर्ज कराई गई, जिसमें 26 समस्याओं का मौके पर निस्तारण किया गया, शेष समस्याओं को त्वरित निस्तारण हेतु संबंधित विभागों को प्रेषित किया गया। शिविर को दर्जाधारी सुरेंद्र मोगा ने भी संबोधित किया। अध्यक्ष जिला पंचायत किरण (राजेंद्र)चौधरी, मण्डल महामंत्री गौरव चौधरी, खंड विकास अधिकारी राजेंद्र प्रसाद सहित समस्त ग्राम प्रधानगण, पंचायत सदस्यगण, अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे।

स्वामी/प्रकाशक वीरेन्द्र सिंह ने मुद्रक प्रमोद कुमार, जय माँ गंगा प्रिन्टर्स, राजराणा कॉम्पलैक्स निकट खाद गोदाम, जमालपुर कलां, ज्वालापुर, हरिद्वार (उत्तराखण्ड) से मुद्रित कराकर, मुख्य कार्यालयः 40 शांतिपुरम कॉलोनी जगजीतपुर, कनखल, हरिद्वार, उत्तराखंड 249408 (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित किया। वीरेन्द्र सिंह (सम्पादक) 9411111733, डॉ सुशील शर्मा(उप संपादक) 9837906777 किसी भी वाद विवाद का निपटारा हरिद्वार में होगा। वेबसाईट- www.pathpravah.com